तापमान
अधिकतम 43 डिग्री
न्यूनतम 26.8 डिग्री

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, गुरुवार 23 अप्रैल 2026

10 सेल पेंशन स्कीम व प्रमोशन पॉलिसी...

11 अवैध मुरुम खनन माफिया बेलगाम आधा दर्जन से...

हाईकोर्ट ने इस बार बच्चों के प्रवेश में देरी को देखते हुए मांगी रिपोर्ट

आरटीई के पहले चरण में ही नामी स्कूलों की सीटें फुल, 1427 सीटों पर 1055 बच्चों का चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

हरिभूमि पड़ताल

दुर्ग जिले में अनिवार्य व निःशुल्क बाल शिक्षा अधिकार आरटीई के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के दाखिले के लिए पहले चरण की लाटरी निकाली गई है। इस लाटरी में ट्विनसिटी के नामी निजी स्कूलों की सीटें पहले ही चरण में फुल हो गई है। जिससे अब दूसरे चरण की लाटरी में इन स्कूलों में प्रवेश के लिए सीटें ही नहीं बची। जिन बच्चों का चयन हुआ है उन्हे दूसरे स्कूलों का रूख करना पड़ेगा जहां सीटें खाली हों। दरअसल इस साल हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ लोक शिक्षण संचालनालय को आदेश जारी किया है कि आरटीई के बच्चों का प्रवेश निर्धारित समय में पूरा कर लिया जाए और इसकी जानकारी भी दें। जिसकी वजह से पहले चरण में ही ज्यादातर बच्चों का चयन कर लिया गया है।

दूसरे चरण के लिए मात्र 372 सीटें बची

दुर्ग जिले में 1427 सीटों के लिए 1055 बच्चों का चयन

आरटीई पोर्टल के माध्यम से लाटरी निकाली गई है। जिसमें दुर्ग जिले की कुल 1427 सीटों के एवज में 1055 बच्चों का चयन किया गया है। 372 सीटें की अब शेष हैं जिसके लिए दूसरे चरण में आवेदन लिए जाएंगे। इस चरण में उन बच्चों को भी लाटरी प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा जिन्होने आवेदन किए हैं लेकिन पहले चरण की लाटरी में नाम नहीं आया। इन सीटों के लिए 3485 आवेदन किए गए थे। जिसमें से 669 आवेदन अपूर्ण थे। 21 आवेदन डुप्लीकेट किए गए थे। 894 आवेदनों को इन सब कारणों से रद्द किया गया था।

इस तरह आए थे कई गुणा ज्यादा आवेदन

विद्यालय	सीटें	कुल चयनित
डीपीएस भिलाई	01	01
शारदा विद्यालय	20	20
मैत्री विद्या निकेतन	18	18
शंकरा विद्यालय-से 10	38	38
डीएवी इस्पात सेक्टर -2	18	18
के पी एस नेहरूनगर	34	34
शंकराचार्य हुडको	24	05
डीएवी हुडको	31	07
डीपीएस दुर्ग	35	17
हेरिटेज इन्टरनेशनल	11	11
कृष्णा पब्लिक स्कूल	13	13
शंकुन्तला विद्यालय	18	18
इन्दु आई टी	13	13
रुंगटा पब्लिक स्कूल	06	06
केएच मेमोरियल	02	02
माइलस्टोन एकेडमी	28	15
जिले की कुल सीटें	1427	1055

इन निजी स्कूलों की सीटें हो गई हैं पहले चरण में ही फुल

ट्विनसिटी की नामी निजी स्कूलों में आर्थिक रूप से पिछड़े बच्चों के लिए सीटें आरक्षित की गई थी। पहले चरण की लाटरी के बाद डीपीएस भिलाई की सीटें फुल हो गई है। इस स्कूल में इस बार महज एक ही सीटें थी जो भर गई। शारदा विद्यालय में कुल 20सीटें थी जो फुल हो गई है। मैत्री विद्या निकेतन की 18सीटों में पूरे बच्चों का चयन हो गया है। शंकरा विद्यालय सेकटर 10 की पूरी 38 सीटें भर गई है। डीएवी इस्पात सेक्टर -2 की 18 सीटें, केपीएस नेहरूनगर की 34, रूंगटा पब्लिक स्कूल की 6, शकुंतला विद्यालय की 18, इंदु आईटी की 13, हेरीटेज इंटरनेशल की 11 सीटें फुल हो गई है।

यहां कर सकते हैं बच्चे प्रवेश के लिए फिर से आवेदन

दूसरे चरण के लिए ट्विनसिटी की कुछ ही नामी स्कूलों में सीटें खाली रह गई है। इन स्कूलों में बच्चों को प्रवेश के लिए रास्ता खुला है। दूसरे चरण की लाटरी प्रक्रिया में इन स्कूलों के लिए आवेदन किया जा सकता है। मसलन डीपीएस दुर्ग में 35 सीटें हैं लेकिन 17 बच्चों का चयन हुआ है। यहां 18 सीटें खाली है। शंकराचार्य हुडको विद्यालय में 24 सीटें थी और केवल 5 बच्चों का चयन हुआ है। यहां 19 सीटें खाली रह गई है। डीएवी हुडको में कुल 31 सीटें है लेकिन केवल 7 बच्चों का नाम लाटरी से निकला। इस तरह यहां 24 सीटें रिक्त हैं।

इस बार दुर्ग जिले में आरटीई की 2392 सीटें घटीं

पिछले साल यानी वर्ष 2025-26 में आरटीई की सीटें दुर्ग जिले की 3819 थी। इस साल नए शैक्षणिक सत्र वर्ष 2026-27 में 1427 सीटों पर दाखिले हो रहे हैं। इस तरह इस बार 2392 सीटें कम हो गई हैं। इतनी कम सीटें होने की वजह नए नियम से दाखिला होना है। शासन ने इस बार नर्सरी और केजी वन में प्रवेश नहीं देने का निर्णय लिया है। यानी सीधे क्लास वन में ही प्रवेश हो रहे हैं। जिसकी वजह से न केवल आरटीई की सीटों की संख्या घटी है बल्कि स्कूल भी कम हो गए हैं।

जिले में पिछले छह साल में आरटीई की सीटें

वर्ष	सीटें
2021-22	6744
2022-23	5720
2023-24	4591
2024-25	4298
2025-26	3819
2026-27	1427

नोट : आंकड़े शिक्षा विभाग ने उपलब्ध कराया।

खबर संक्षेप

उप निर्वाचन हेतु जिला शिकायत सेल का गठन

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में नगर पालिकाओं एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के आगामी उप निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण का कार्य जिले में प्रभावशील है। नगरीय निकाय व त्रि-स्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन होना प्रस्तावित है। आगामी निर्वाचन से संबंधित शिकायत पर त्वरित कार्यवाही के लिए जिला स्तरीय शिकायत सेल का गठन किया गया है। यह शिकायत सेल भू-अभिलेख कक्ष क्रमांक 21 में संचालित होगा। इसके संचालन हेतु विभिन्न अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी उनके पूर्व दायित्वों के साथ अतिरिक्त रूप से लगाई गई है। शिकायत सेल में अधीक्षक भू-अभिलेख सुश्री रेखा राजपूत मोबाइल नंबर 8359809792 को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। सहायक प्रभारी अजय मेरावी 7987028422 जिम्मेदारी निभाएंगे। इसके अलावा उज्जवला ध्रुव, सुश्री साधना वर्मा तथा राहुल यादव की ड्यूटी लगाई गई है।

कैम्प-1 से सटोरिया गिरफ्तार

भिलाई। सट्टा का अवैध कारोबार करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। छावनी पुलिस ने बताया कि 21 अप्रैल को आदर्श नगर कैंप-1 में खुलेआम सट्टा चला रहा है। सूचना पर पुलिस ने दबिश दिया। जहां से आदर्श नगर कैंप-1 निवासी नौसाद अली को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से सट्टा पर्चियां, नगदी 1000, एक मोबाइल फोन जब्त किया है। जब्त सामान की कीमत करीब 2000 रुपए आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 6(क) के तहत जुर्म दर्ज किया है।

फरार पूर्व पार्षद की जानकारी देने वाले को पुलिस देगी इनाम

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

कोसानाला के पूर्व भाजपा पार्षद और पार्टी से निष्कासित जय प्रकाश यादव राजनांदगांव पुलिस रिकार्ड में फरार है। उसे पकड़ने वाले को पुलिस के तरफ से 5000-5000 रुपए का ईमान घोषित किया है। जय प्रकाश यादव का सुपेला थाना में भी नौकरी लगाने के नाम पर ठगी का मामला दर्ज है।

इसके अलावा राजनांदगांव में धारा 420,34 के तहत फरार है। राजनांदगांव पुलिस ने बताया कि जेपी यादव का पता बताने वाले नाम गोपनीय रखा जाएगा। जेपी यादव ने बीते दिनों वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के पक्ष में बयान देकर राजनीति में भूचाल लाने का ऐलान किया था। प्रदेश के कई बड़े नेताओं के साथ फोटो वीडियो बनाकर आम नागरिकों को ठगने का काम भी किया है। राजनांदगांव पुलिस इसकी तलाश कर रही है। इसके अलावा सुपेला पुलिस जेपी यादव को पकड़ नहीं पाई है।

लाखों का गांजा के साथ महिला गिरफ्तार

भिलाई। लाखों रुपए का गांजा के साथ महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घटना सुपेला थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर डेरा बस्ती फरीद नगर सुपेला में अवैध रूप से गांजा बेचने की शिकायत मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सुपेला निवासी नंदनी धुर्वे को पकड़ा गया। उसके पास से पुलिस ने गांजा वजन 1.780 किलोग्राम जब्त किया गया। जिसकी कीमत 90 हजार रुपए आंकी गई है। इसके अलावा अपचारी बालक के पास से भी 1.150 किलोग्राम गांजा मिला है। जिसकी कीमत 55 हजार रुपए आंकी गई है। इसके अलावा मोबाइल, नगदी 300 रुपये मिला। दोनों के खिलाफ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत जुर्म दर्ज किया है।

पावर हाउस चौक पर दूसरे दिन भी हटाया कब्जा

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने एवं सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखने के उद्देश्य से पावर हाउस चौक पर दूसरे दिन भी सख्त कार्रवाई की गई। निगम की टीम ने उन व्यापारियों एवं ठेला संचालकों पर कार्रवाई की, जो सड़क के बीचों-बीच सामान रखकर या फल-ठेला लगाकर व्यवसाय कर रहे थे। ऐसे अतिक्रमण के कारण मार्ग अवरुद्ध हो रहा था, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बनती है और दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। कार्रवाई के दौरान निगम अमले ने सड़क पर रखे सामान को हटवाया तथा संबंधित लोगों को सख्त हिदायत दी गई कि वे निर्धारित स्थानों पर ही अपना व्यवसाय करें। साथ ही चेतावनी दी गई कि भविष्य में पुनः अतिक्रमण पाए जाने पर जुर्माना एवं कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निगम अधिकारियों ने बताया कि पावर हाउस चौक शहर का

अत्यंत व्यस्त मार्ग है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन होता है। ऐसे में सड़क पर अतिक्रमण से आम नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। नगर निगम ने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें और सड़क पर अतिक्रमण न करें, ताकि शहर को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाया जा सके।

जेसीबी की टक्कर से वृद्धा की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

■ महतारी योजना का केवाईसी कराने निकली थी महिला

महतारी योजना का केवाईसी कराने जा रही एक वृद्धा सड़क हादसे की शिकार हो गई। घटना उतई थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने बताया कि ग्राम बोरीगारका निवासी सूरजा बाई साहू 70 वर्ष दो अन्य महिलाओं के साथ पंचायत भवन से घर जा रही थीं। बोरीडीह मार्ग पर साहू मैरिज पैलेस के पास तेज रफ्तार जेसीबी ने वृद्ध को चपेट में लिया। हादसे में वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। जेसीबी चालक गोविंद नामक व्यक्ति होना बताया जा रहा है। यह वाहन साहू ट्रेडर्स एंड कंस्ट्रक्शन के संचालक वेदनारायण साहू का है। हादसा के बाद ग्रामीणों की काफी भीड़ लग गई थी। खबर लगते ही मचांदूर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। वृद्धा को अस्पताल लेकर जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पीएम के लिए भेजा गया।परिजनों को सूचना दी गई।

हमला करने वाले दो युवक गिरफ्तार

भिलाई। जन्म दिन की पार्टी में पहुंचकर शराब का डिमांड कर विरोध होने पर प्राण घातक हमला करने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एक आरोपी अब भी मौके से फरार है। भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि घटना 20 अप्रैल की है। सेक्टर-07 मार्केट के पास मैदान में, जयंती स्टेडियम के सामने पीड़ित दोस्तों के साथ अपना जन्मदिन मना रहा था। तभी शराब पीने के लिए डी. अजय और एस. विजय, मयंक रकम मांग रहे थे।नहीं देने पर हमला कर फरार हो गए। शिकायत के बाद पुलिस ने डी अजय, एस विजय को गिरफ्तार किया गया है। वहीं मयंक अब भी फरार है।जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

आईजी ने मोहन नगर थाने में ली लंबित केस की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

■ आईजी अभिषेक शांडिल्य ने किया वार्षिक निरीक्षण

आईजी अभिषेक शांडिल्य ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय और थाना मोहननगर का वार्षिक निरीक्षण कर किया। इस दौरान आईजी ने कार्यप्रणाली की समीक्षा, आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया है। विभिन्न शाखाओं का वार्षिक निरीक्षण कर

कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा करते हुए शाखा प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। अभिलेखों, लंबित प्रकरणों, प्रशासनिक कार्यों की गहन जांच कर काम में सुधार, पारदर्शिता, समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए है। थाना मोहन नगर में कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, विवेचना गुणवत्ता में सुधार के लिए थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है। इस दौरान एसएसपी विजय अग्रवाल, एएसपी सुखनंदन राठौड़, मणिशंकर चन्द्रा, डीएसपी मुख्यालय तनुप्रिया, डीएसपी लाइन सीपी तिवारी समेत कर्मी मौजूद थे।

शराब के साथ दो पकड़ाए

भिलाई। शराब का अवैध परिवहन करते हुए पुलिस ने दो युवकों को पकड़ा है। अंजोरा चौकी प्रभारी चंद्रशेखर सोनी ने बताया क ग्राम अंजोरा थनौद रोड के पास गनियारी पारधीपारा थाना भिलाई तीन निवासी मूलचंद सिसोदिया, हिमेश पारधी उर्फ डायमंड एक काले रंग के बैग मे 33 पौवा अंग्रेजी शराब बाइक सीजी 07 सीक्यू 6151 में शराब लेकर जा रहे थे। नाकेबंदी के दौरान चेकिंग में आरोपी पकड़े गए।

भिलाई नगर विधायक ने उठाया था विधानसभा में मुद्दा

एक ही पते पर अलग-अलग केमिकल फैक्ट्रियां विधायक देवेंद्र ने अब ईओडब्लू से की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

■ विधायक ने दी गई जानकारी पर जताया असंतोष

दुर्ग जिले में एक ही पते पर अलग-अलग केमिकल फैक्ट्रियों के संचालन का मुद्दा अब और गरमा गया है। यह मामला भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने ही विधानसभा में उठाया था, जहां पूछे गए प्रश्न के जवाब में सामने आई जानकारी कई स्तर पर सवाल खड़े करती है। जवाब से असंतुष्ट

विधायक ने अब आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो को पत्र लिखकर पूरे प्रकरण में हुई कार्रवाई का ब्यौरा मांगा है।

विधानसभा में वाणिज्य एवं उद्योग विभाग ने अपने उत्तर में कहा कि इस तरह की कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। वहीं उसी जवाब में यह भी उल्लेख किया गया कि छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल ने 24 फरवरी 2025 को चार सदस्यीय जांच समिति गठित कर जिले के 16 कोलतार प्रोसेसिंग आधारित उद्योगों की जांच कराई। जांच में 8 उद्योग पर्यावरणीय सहमति शर्तों के उल्लंघन के दोषी पाए गए, जिन पर नियमानुसार कार्रवाई की बात कही गई है। इसके अलावा 24 जून 2025 को प्राप्त एक शिकायत में उद्योगों द्वारा तथ्यों को छिपाकर केंद्रीय पर्यावरण स्वीकृति लेने का आरोप लगाया गया, लेकिन इस पर जांच समिति का गठन नहीं किया गया। एक अन्य शिकायत पर पर्यावरण मंडल ने उद्योग संचालनालय सहित अन्य विभागों को पत्राचार किया। मामला ईओडब्लू तक भी पहुंचा, जहां शिकायत लंबित है। देवेंद्र यादव ने कहा कि विधानसभा में दिए गए जवाब में विरोधाभास है, एक ओर शिकायत नहीं होने की बात कही गई, वहीं दूसरी ओर जांच और उल्लंघन की पुष्टि भी की गई। उन्होंने अब तक की गई कार्रवाई की पूरी जानकारी मांगी है। पूरे मामले में शिकायत न होने के दावे, जांच का गठन, उल्लंघन की पुष्टि और कार्रवाई की स्पष्ट स्थिति सामने न आने से प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

भारत माला सिक्सलेन : 100 किसानों के खेत तक पहुंचने का रास्ता बाधित, शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह एवं डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 120 आवेदन प्राप्त हुए।

इसी कड़ी में गोड़पेन्ड्री के किसानों ने पुल निर्माण कराने की मांग की। किसानों ने बताया कि गोड़पेन्ड्री में भारत माला परियोजना के तहत बन रही सिक्सलेन सड़क के कारण करीब 100 किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क खेतों के बीच से गुजरने के कारण सीधा रास्ता बंद हो गया है। किसानों को अब अपने खेत तक पहुंचने के लिए करीब 3 किलोमीटर दूर मानिकचौरी और अन्य मार्गों से होकर जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क के दोनों ओर की जा रही घेराबंदी से समस्या और गंभीर हो जाएगी और खेती किसानी प्रभावित होगा। गांव के उत्तरी हिस्से में पहले से पत्थर खदान होने के कारण खेती योग्य जमीन कम बची है और जो कृषि योग्य भूमि बचा है, वहां पहुंचने में किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने ग्राम छाटा और मानिकचौरी के बीच अंडरपास/पुलिया निर्माण की मांग की है, ताकि खेतों तक आवागमन आसान हो सके। इस पर कलेक्टर ने एनएच एवं एसडीओ पाटन को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

सीवरेज, आबादी भूमि का पट्टा सहित 120 आवेदन जनदर्शन में आए, कलेक्टर ने दिए समाधान के निर्देश

मदर टेरेसा वार्ड में गटर पाइपलाइन जाम

मदर टेरेसा वार्डवासियों ने गटर पाइपलाइन के जाम होने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि मदरटेरेसा नगर के वार्ड क्रमांक 31 में गटर पाइपलाइन बार-बार जाम होने से वार्डवासी परेशान हैं। गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है, जिससे दुर्गंध और मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि नगर निगम में इसकी शिकायत की गई थी लेकिन स्थायी समाधान नहीं हुआ है। सफाई के बाद भी गटर जल्द ही फिर जाम हो जाता है। उन्होंने पुरानी पाइपलाइन को बदलकर नई सीवरेज लाइन निर्माण कराने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने नगर निगम भिलाई को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

आबादी पट्टा नहीं मिलने पर ग्रामीण पहुंचे जनदर्शन

ग्राम हनोदा निवासी ने आबादी भूमि का पट्टा नहीं मिलने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि उनका कच्चा मकान 1980 से पहले बना था, जो अब क्षतिग्रस्त हो चुका है। वर्ष 2017 में सर्वे के बाद गांव के अन्य लोगों को पट्टा मिल गया, लेकिन उन्हें अब तक वंचित रखा गया है। पड़ोसियों द्वारा मेरा रास्ता बाधित कर अनावश्यक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। इस संबंध में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग में शिकायत के बावजूद समाधान नहीं हुआ है। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

एचएससीएल कॉलोनी में समस्याओं को लेकर शिकायत

भिलाई। सेक्टर 6 एचएससीएल कॉलोनीवासियों के व्याप्त समस्याओं को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी 4 के पदाधिकारी ,पार्षद मोहल्ले वासियों के साथ प्रबंधन से मुलाकात करके समस्याओं से अवगत कराया एवं जल्द से जल्द समाधान के लिए बात कही गई। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ दत्ता ने कहा कि कॉलोनी में लंबे समय से मूलभूत समस्याओं से आम नागरिक समस्या ग्रस्त है पीने का स्वच्छ जल, सीवरेज लाइन की जाम होना, क्वार्टर के बैक लाइन की सफाई प्रमुख समस्या है। प्रतिनिधि मंडल में उपस्थित पार्षद एवं एमआईसी सदस्य साकेत चंद्राकर ने कहा कि सेक्टर 6 कॉलोनी मैं लगभग 2000 लोग निवास करते हैं पिछले बहुत लंबे समय से सीवरेज की समस्याएं एवं पानी की समस्याएं से लोग ग्रस्त है। हाल ही में तीन लोगों को पीलिया की बीमारी हुई है जल्द से जल्द प्रबंधन द्वारा हल निकालना आवश्यक है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राहुल शर्मा, अजय यादव, अफरोज खान, बीएम सिंह, एजे कुरैशी, सत्यनारायण गुप्ता, डीपी सिंह, सतीश सोनकर, आकाश हांडे, अनिल तिवारी, रंजीत पासवान, गजेंद्र वर्मा, धर्मेंद्र एवं नागरिक उपस्थित थे।

आत्मनिर्भर पंचायत के संकल्प के साथ विशेष ग्रामसभा कल

दुर्ग। 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस के अवसर पर जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिला पंचायत के सीईओ बजरंग कुमार दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 24 अप्रैल को विशेष ग्राम सभा एवं जनजागरूकता कार्यक्रम उन्होंने बताया कि वर्ष 1993 में 73वें संविधान संशोधन के माध्यम से पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ, जो ग्राम पंचायतों में स्थानीय स्वशासन की सशक्त नींव का प्रतीक है। इसी के तहत 24 अप्रैल 2026 को सभी ग्राम पंचायतों में विविध कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निर्देशित किया गया है। ग्राम संवाद कार्यक्रम के तहत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के माननीय उप मुख्यमंत्री का 20 मिनट का रिकॉर्डेड संदेश ग्राम पंचायत स्तर पर प्रसारित किया जाएगा। ग्राम संपदा ऐप में ग्राम की समस्त परिसंपत्तियों के अपलोड का संकल्प लिया जाएगा।

राहुल बने जिला अध्यक्ष

भिलाई। असंगठित कामगार व कर्मचारी कांग्रेस छ.ग.के जिला दुर्ग ग्रामीण अध्यक्ष के रुप में राहुल वर्मा को नियुक्त किया गया है।

राहुल वर्मा ने कहा कि जिस विश्वास से जिम्मेदारी दी गई है। उसी अनुरुप जिम्मेदारी निभाउंगा। नियुक्ति पर राहुल ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, प्रदेश अध्यक्ष असंगठित कामगार व कर्मचारी कांग्रेस अभिषेक बोरकर, जिला अध्यक्ष दुर्ग कांग्रेस ग्रामीण राकेश ठाकुर, प्रदेश सचिव असंगठित कामगार व कर्मचारी कांग्रेस राम सूर्यवंशी का आभार जताया है।

बीएसपी सहित सेल अफसरों के लंबित मुद्दों पर सेफी ने सेल के उच्च प्रबंधन से की चर्चा

सेल पेंशन स्कीम व प्रमोशन पॉलिसी में विसंगतियों से अधिकारियों को नुकसान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सेल पेंशन स्कीम, प्रमोशन पालिसी, वेतन विसंगति और सेल अधिकारियों के कई अहम लंबित मुद्दों सहित बीएसपी टाउनशइप व सेक्टर 9 हास्पिटल की समस्याओं को लेकर सेफी (स्टील एक्जीक्यूटिव फेडेरेशन आफ इंडिया) के पदाधिकारियों ने सेल के कार्यवाहक सीएमडी केके सिंह और निदेशक (वित्त) डॉ. अशोक पंडा से इस्पात भवन दिल्ली में चर्चा। इसके अतिरिक्त ईडी (एचआर) कॉरपोरेट ऑफिस राजीव पांडे से भी विभिन्न मांगों के जल्द निदान की मांग की । साथ ही अधिकारियों के समय पूर्व सेवानिवृत्ति पर भी विरोध जाहिर किया। सेफी चेयरमेन और ओएबीएसपी अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बंछोर की अगुवाई में में सेफी महासचिव संजय आर्या, आरएसपी-ओए के अध्यक्ष अबकाश बेहरा, बीएसपी-ओए के महासचिव अंकुर मिश्रा, सेफी नामिनी अखिलेश मिश्रा के साथ प्रतिनिधि मंडल ने उच्च प्रबंधन के साथ बैठक में अधिकारियों के सभी मुद्दों के निराकरण पर जोर दिया। सेल पेंशन स्कीम, सेल मेडिक्लेम स्कीम, यूनिफार्म एचआरए, संशोधित आयकर प्रावधानों के अनुरूप पर्क्स की सुविधा, सेल अस्पतालों में सुविधाओं में बढ़ोत्तरी, जेओ 2018 बैच का नोशनल पदोन्नति, जेओ प्रमोशन पॉलिसी में सुधार, पीईएसबी में सेल अधिकारियों की पात्रता में संशोधन शेडयूल-ए कंपनियों के लिए, समय पूर्व सेवानिवृत्ति का विरोध, इंक्रीमेंटल पीआरपी, सेल के कोलिरिस के अधिकारियों को सेल पेंशन की सुविधा (2007 से 2017 तक), टाउनशिप की सुविधाओं में विस्तार, लीजिंग व लाईसेंसिंग स्कीम के तहत टाउनशिप की सम्पदा का सही उपयोग, जेओ-2008 और जेओ-2010 बैच के वेतन विसंगतियों सहित कई मुद्दों पर पर चर्चा की।

टाउनशिप में बनें सर्वसुविधायुक्त नए मकान

सेल पेंशन स्कीम में करें संशोधन

सेफी ने सेल प्रबंधन से आग्रह किया कि डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार सेल में 30 प्रतिशत सेवानिवृत्ति लाभ सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशानिर्देश जारी करें। 9 प्रतिशत की दर से पेंशन का अंशदान हस्तांतरित किया जाए। एनपीएस में सेल द्वारा निधि हस्तांतरण की वास्तविक तारीख 1 जनवरी 2007 से है लेकिन सेल ने यह राशि अत्यधिक विलंब से प्रदान की है। इस राशि पर सेल को प्रतिपूरक/उपार्जित ब्याज प्रदान किया जाना चाहिए। बैठक मेंसेल प्रबंधन से सेल मेडिक्लेम स्कीम में आईपीडी व ओपीडी सुविधा में आवश्यक वृद्धि के साथ कारपोरेट बफर में वृद्धि, कुछ चिकित्सा उपचारों में कैपिंग की सीमा बढ़ाने, उन्नत उपचार (रोबोटिक सर्जरी) को शामिल करने तथा मेडिक्लेम प्रीमियम को कम करने करने की मांग की। बताया कि बदलावों से अधिकारियों को पर्क्स टैक्स में राहत का लाभ मिलेगा, सैलरी स्ट्रक्चर बेहतर होगा और कंपनी की वित्तीय जिम्मेदारी बढ़ाए बिना कार्मिकों को राहत दी जा सकेगी। मील कूपन/वाउचर की सीमा में वृद्धि, चाइल्ड एजुकेशन और हॉस्टल एलाउंस की सीमा में वृद्धि, नॉन कैश गिफ्ट/वाउचर की सीमा में वृद्धि, दवाईयों के रिअम्बर्समेंट की सुविधा में संशोधन आदि पर भी चर्चा की।

जेओ बैचेस की पदोन्नति

बैठक में जेओ-2018 बैच को जून 2026 में ई-3 ग्रेड में पदोन्नति हेतु योग्य माना जाए। उनकी लंबी सेवा, व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता और व्यापक अनुभव को ध्यान में रखते हुए सेफी ने आग्रह किया कि जेओ बैचेस को 6 माह के ट्रेनिंग अवधि का ई-1 से ई-2 पदोन्नति में जोड़ा जाए व 6 माह की नोशनल सीनियारिटी देते हुए सभी जेओ बैचेस को कॉमन प्रमोशन साइकिल (जून) में पदोन्नत किया जाए। बैठक में सेफी ने कहा कि सेल अस्पतालों के आउटसोर्सिंग से संबंधित किसी भी निर्णय से पहले सभी हितधारकों, मौजूदा कार्मिकों, पूर्व कार्मिकों एवं आश्रितों का ध्यान रखते हुए एसोसिएशन/यूनियन से चर्चा आवश्यक है। वर्तमान अस्पताल कार्मिकों को मैनेजमेंट के उन फैसलों के बारे में जानकारी दी जाए, जो उनके कैरियर की संभावनाओं पर असर डाल सकते हैं।

टाउनशिप में बने नए मकान व मेडिकल में सुधार

सेफी चेयरमेन श्री बंछोर ने सेल में डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप एक समान एचआर लागू करवाने की मांग के साथ बताया कि जेओ-2008 एवं 2010 बैच में वेतन विसंगति कुछ वरिष्ठ अधिकारी (ई-4/ई-5) अपने जूनियर कर्मचारियों/अधिकारियों से भी कम वेतन पा रहे हैं। 1 जनवरी 2023 से प्रभावी इस विसंगति को दूर किया जाए वएमटीटी-2008 बैच के अधिकारियों के साथ हुई पदोन्नति देरी ध्यान में रखते हुए उन्हें जून 2026 की ई5 से ई 6 प्रमोशन में प्राथमिकता दी जाए। बताया कि यह बैच अक्टूबर 2008 में ज्वाइन करने के कारण पदोन्नति चक्र एक वर्ष पिछड़ गया है, जिससे पिछले कई वर्षों में उनकी वरिष्ठता और कैरियर प्रगति प्रभावित हुई है। जेओ प्रमोशन में भी सुधार किया जाए। सेफी ने बीएसपी सहित सभी टाउनशिप के सम्पदाओं का समुचित उपयोग करने की मांग की। टाउनशिप के खाली पड़े भूमि, भवनों तथा मकानों का लीजिंग व लाईसेंस के माध्यम से समुचित उपयोग करने और लीजिंग व लाईसेंस के अवरोधों को शीघ्र निराकरण कार्मिकों के लिए नए सुविधायुक्त आवासों का निर्माण करने की मांग की।

बीएसपी में ठेका श्रमिकों की 35 प्रतिशत छंटनी के निर्णय से असंतोष

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में ठेका मजदूरों की छंटनी के निर्णय से श्रमिकों में असंतोष बढ़ रहा है। इसके विरोध में यूनियनें श्रमिकों को एकजुट कर रही हैं। स्टील ठेका श्रमिक यूनियन इंटक ने प्रबंधन के इस निर्णय को वापस लेने की मांग को लेकर प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। चेताया है कि इसके बाद भी 35 प्रतिशत छंटनी के निर्णय को प्रबंधन ने वापस नहीं लिया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

■ इंटक करेगी विरोध प्रदर्शन, कहा छंटनी से प्रभावित होगा उत्पादन

इंटक की कार्यकारिणी की बुधवार को सेक्टर-4 कार्यालय में हुई बैठक में सेल प्रबंधन द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र में ठेका श्रमिकों के 35% छटनी को श्रमिक विरोधी कदम बताते हुए कहा कि यह निर्णय से न केवल हजारों श्रमिकों एवं उनके परिवारों की आजीविका पर सीधा प्रहार है, बल्कि इससे औद्योगिक शांति भी भंग होगी। अध्यक्ष संजय साहू ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में, जब श्रमिक पहले से ही आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, छंटनी पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। इससे संयंत्र के उत्पादन,रखरखाव और सुरक्षा पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। केंद्र सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में नियमित भर्तियां लगभग बंद होने के कारण, पढ़े-लिखे युवा भी मजबूरी में ठेका श्रमिक के रूप में कार्य कर अपनी जीविकापार्जन कर रहे हैं। इससे संयंत्र के उत्पादन और रखरखाव एवं सुरक्षा पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। बैठक में लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

यूनियन की प्रमुख मांगें

ठेका श्रमिकों के 35% छंटनी का निर्णय तत्काल प्रभाव से वापस लें और श्रमिकों को कार्य की निरंतरता एवं रोजगार सुरक्षा प्रदान की जाए।श्रमिकों से जुड़े सभी निर्णय यूनियन से चर्चा के बाद ही लिए जाएं,केंद्र सरकार के निर्धारित न्यूनतम वेतन एवं अन्य सुविधाएं लागू की जाएं। बैठक में सीपी. वर्मा, दीनानाथ सिंह सार्वा, आर दिनेश, मनोहर लाल, गुरुदेव साहू, सुरेश कुमार, कान्हा राम, कुलेश्वर, देवेंद्र कुमार, महेंद्र कुमार, नरेंद्र, कामता पटेल एवं बलराम वर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सुपेला और खुर्सीपार में एसएसपी ने की पुलिस जन मित्र योजना शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

पुलिस जन मित्र योजना का शुरुआत एसएसपी विजय अग्रवाल ने सुपेला और खुर्सीपार क्षेत्र में शुभारंभ किया। यह योजना पुलिस आम नागरिकों के बीच संवाद, विश्वास, सहयोग को सुदृढ़ करना है। योजना के अंतर्गत नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव, डिजिटल सुरक्षा, महिला सुरक्षा, नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता, सूने मकानों की सुरक्षा, ट्रैफिक नियमों के पालन के बारे में जानकारी प्रदान की जा रही है। जन-जागरूकता पोस्टर मार्गदर्शिका के माध्यम से नागरिकों को हेल्पलाइन नंबर साइबर फ्रॉड 1930 , महिला सुरक्षा 1091, नशा नियंत्रण 1033 की जानकारी दिया गया। यह पहल सामुदायिक पुलिसिंग को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जिसके माध्यम से नागरिकों को पुलिस कार्यों से जोड़ते हुए उनकी सक्रिय भागीदारी की जा रही है। उक्त अभियान एवं कार्यक्रम संचालन में थाना सुपेला, खुर्सीपार के पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों की भूमिका है।

■ साइबर, डिजीटल अपराध से बचने किया जागरूक

पुलिस की अपील है कि पुलिस जन मित्र योजना से जुड़कर कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। साइबर अपराध, नशा, यातायात नियमों व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति सजग रहें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दे। पुलिस नागरिकों के मध्य संवाद, विश्वास सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए पुलिस जन मित्र योजना लाया गया है।

सेक्टर 1 टंकी निर्माण सहित मंद गति से चल रहे कार्यों में अब आएगी तेजी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

टाउनशिप में पानी टंकियों के निर्माण और पाइप लाइनों के विस्तार कार्य में अब तेजी आने के आसार हैं। इसके साथ ही कुछ क्षेत्रों में विभिन्न निर्माण और विकास कार्यों के सड़कों के किनारे बिखरी निर्माण सामग्रियां भी हटाने या व्यवस्थित होने की उम्मीद क्षेत्रवासियों को है। इस संबंध में भिलाई नगर के विधायक देवेंद्र यादव ने भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक को पत्र लिखकर विभागीय अधिकारियों और ठेका एजेंसियों के निर्देशित करने कहा है।

उल्लेखनीय है कि हरिभूमि ने अपने 22 अप्रेल के अंक में सेक्टर 1 में सालभर बाद भी नहीं हुआ पानी टंकी निर्माण, बिखरे रा मटेरियल से लोग परेशान शीर्षक से खबर प्रकाशित कर प्रबंधन का ध्यानाकर्षित किया था। इसे संज्ञान में लेते हुए विधायक देवेंद्र यादव ने आज बुधवार को बीएसपी के मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन सेवाएं) को पत्र लिखकर सेक्टर एक सहित अन्य निर्माणाधीन स्थलों के धीमी गति से चल रहे कार्यों में तेजी लाने और और बिखरे रा मटेरियल से लोगों को परेशानी को देखते हुए संबंधितों के निर्देशित करने निर्देश दिया है। सेक्टर 1 स्कूल मैदान में पानी टंकी में विलंब के साथ सड़क 5 में मलबा नहीं हटाने से छिटपुट दुर्घटनाएं हो रही हैं। श्री यादव ने पत्र में बताया है कि टंकी निर्माण, पाइप लाइन विस्तार बहुत मंद गति से चल रहा है। इससे भीषण गर्मी में पानी के लिए लोगों को परेशानी हो रही है। लेकिन निर्माणाधीन एजेंसी द्वारा कार्य तय सीमा में नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा टाउनशिप में सेक्टर 1 की तरह जहां जहां विकास कार्य निर्माण कार्य प्रगति पर हैं, वहां गड्ढे व नाली खोद और रा मटेरियल व अन्य सामग्रियां मार्ग व चौकों आदि पर ऐसे ही छोड़ दिए जाने से नागरिकों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। विधायक ने इसे देखते हुए निर्माण एजेंसियों को जल्द कार्य किए जाने व मार्ग में फैले निर्माण सामग्रियों को हटाने और गड्ढे को पाटने संबंधी निर्देश देने का आग्रह किया है।

सेक्टर 1 में सालभर बाद भी नहीं हुआ पानी टंकी का निर्माण, देरी से लोग हो रहे परेशान

■ विधायक देवेंद्र ने सीजीएम को लिखा पत्र

सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण करने अभियान जारी

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के रोका-छेका विभाग द्वारा शहर में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से आवारा पशुओं को पकड़ने का अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत टीम द्वारा सड़कों पर घूम रहे एवं बीच सड़क पर बैठे पशुओं को सुरक्षित रूप से पकड़ा जा रहा है। पकड़े गए पशुओं को कोसानाला स्थित गौठान में रखा जा रहा है, जहां उनके लिए हरे चारे, स्वच्छ पेयजल एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। निगम द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि पशुओं के रखरखाव में किसी प्रकार की कमी न हो। सड़कों के बीच पशुओं के बैठने या घूमने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। निगम का यह अभियान नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चलाया जा रहा है। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने पालतू पशुओं को खुला न छोड़ें तथा शहर को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाए रखने में सहयोग करें।

यूआरएम विभाग में हुआ सुरक्षा बंधन कार्यक्रम

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) विभाग द्वारा बुधवार को सुरक्षा बंधन नामक विशेष सुरक्षा संवाद कार्यक्रम का शुरु किया गया। उद्घाटन विभागाध्यक्ष और मुख्य महाप्रबंधक योगेश शास्त्री ने किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मी के लिए स्वयं की सुरक्षा सर्वोपरि जिम्मेदारी है, जिसके साथ-साथ सहकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा असुरक्षित परिस्थितियों की पहचान कर निरंतर सुधार की दिशा में कार्य करना आवश्यक है। सभी से शून्य दुर्घटना" के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने का आह्वान किया।

नगर निगम भिलाई ने चलाया जल शुद्धिकरण अभियान

फौजीनगर में मिले 35 कुएं, निस्तारी के लायक कर रहे तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 24 हाउसिंग बोर्ड स्थित फौजी नगर क्षेत्र में जल शुद्धिकरण को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत गणेश मंच एवं शीतला मंदिर मोहल्ले के कुओं में ब्लीचिंग पाउडर का घोल डालकर पानी को शुद्ध किया जा रहा है। विभागीय टीम द्वारा क्षेत्र के लगभग 125 घरों का सर्वेक्षण किया गया। जिसमें 35 घरों में कुएं पाए गए। इन सभी कुओं में ब्लीचिंग पाउडर डालकर जल शुद्धिकरण का कार्य कराया गया।

नगर निगम अमले ने नागरिकों को जलजनित बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक समझाइश भी दी गई। जन स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को सलाह दी है कि कुएं के पानी का उपयोग केवल निस्तारी कार्यों में करें तथा पीने के लिए नल के पानी को छानकर और उबालकर ही इस्तेमाल करें। इसके अलावा सड़े-गले फल एवं दूषित खाद्य पदार्थों के सेवन से बचने की हिदायत दी गई है। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए लोगों को लू से बचाव के उपाय अपनाने की भी सलाह दी गई है। जैसे तेज धूप में बाहर निकलते समय गमछा या टोपी पहनें तथा अधिक मात्रा में तरल एवं ताजे पेय पदार्थों का सेवन करें। इस अभियान के माध्यम से विभाग द्वारा नागरिकों को स्वच्छ जल के उपयोग एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

भीषण गर्मी में राहत दिलाने शहर में प्याऊ घर खोलने की मांग

दुर्ग। भीषण गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए समाजवादी पार्टी के शहर अध्यक्ष शेख रज्जाक ने निगम प्रशासन से शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और मुख्य मार्गों पर प्याऊ घर स्थापित करने की मांग की है, ताकि आम नागरिकों को निशुल्क ठंडा पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। शेख रज्जाक ने कहा कि वर्तमान में निगम द्वारा संचालित वाटर एटीएम से लोगों को भुगतान कर पानी लेना पड़ता है, जो हर वर्ग के लिए सुविधाजनक नहीं है। विशेष रूप से ग्रामीण अंचलों से आने वाले नागरिकों, मजदूरों और महिलाओं को मजबूरी में पैसे खर्च कर पानी खरीदना पड़ रहा है, जो इस भीषण गर्मी में उनकी परेशानी को और बढ़ा रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि निगम प्रशासन यदि शहर के विभिन्न स्थानों पर 10 से 15 प्याऊ घर स्थापित कर दे, तो बड़ी संख्या में लोगों को राहत मिल सकती है। यह व्यवस्था पूरी तरह निशुल्क होनी चाहिए, जिससे जरूरतमंदों को बिना किसी आर्थिक बोझ के स्वच्छ पेयजल मिल सके। उन्होंने निगम प्रशासन से इस दिशा में शीघ्र निर्णय लेकर व्यवस्था लागू करने की अपील की है, ताकि भीषण गर्मी में शहरवासियों को राहत मिल सके।

खबर संक्षेप

सुपरवाइजर प्रमोशन कार्यकर्ताओं ने दी विदाई

अण्डा। महिला एवं बाल विकास विभाग दुर्ग (ग्रामीण) अंतर्गत अंडा सेक्टर में पदस्थ सुपरवाइजर रेखा लोनारे को परियोजना अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है। उनकी नवागढ़ (बेमेतरा) पदस्थापना की गई है। इस अवसर पर अंडा सेक्टर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। श्रीमती लोनारे ने करीब 9 वर्षों तक अंडा सेक्टर में अपनी सेवाएं दीं। इस दौरान उन्होंने महिलाओं और बच्चों के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया। वे आंगनबाड़ी केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग करती रहीं और समय-समय पर कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को आवश्यक मार्गदर्शन व निर्देश देती रहीं, जिससे केंद्रों का संचालन बेहतर तरीके से हो सका। उनके कार्यकाल को सभी ने सराहनीय बताते हुए कहा कि उनकी कार्यशैली, अनुशासन और समर्पण ने पूरे सेक्टर में सकारात्मक प्रभाव डाला। हाल ही में आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 अंडा में एक सादा समारोह आयोजित कर सभी बहनों ने उन्हें उपहार भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कमीशन के खेल में धड़ल्ले से अवैध खनन

अवैध मुरुम खनन माफिया बेलगाम आधा दर्जन से ज्यादा गांव हुए प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

बारिश के मौसम में जलभराव से दुर्घटना की बनेगी आशंका, जिम्मेदार अधिकारी मौन

उत्तर पाटन क्षेत्र इन दिनों अवैध मुरुम खनन की आग में सुलग रहा है, लेकिन जिम्मेदार अफसरों की चुप्पी इस आग को और भड़का रही है। आधा दर्जन से अधिक गांवों में खुलेआम चेन माउंटेन मशीनों से खेतों और खाली पड़ी जमीनों को खोदकर मुरुम निकाला जा रहा है, और भारी-भरकम वाहनों से दिनदहाड़े इनकी ढुलाई की जा रही है। हैरानी की बात यह है कि यह सब कुछ प्रशासन की आंखों के सामने हो रहा है, फिर भी कार्रवाई के नाम पर शून्य नजर आ रहा है।

गभरा, करगा, अमेरी, रूही, रवेली, बठेना, भाटागांव और उफारा जैसे गांवों में मुरुम माफिया पूरी तरह बेलगाम हो चुके हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि खेतों को गड्ढों में तब्दील कर दिया गया है, जिससे न केवल जमीन की उर्वरता प्रभावित हो रही है, बल्कि आने वाले समय में यह बड़े हादसों का कारण भी बन सकता है। इसके बावजूद न पटवारी मौके पर पहुंच रहे हैं, न तहसीलदार और न ही एसडीएम स्तर से कोई सख्त कदम उठाया जा रहा है।

खनिज विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। कुछ जगहों पर अनुमति होने की बात जरूर कही जा रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि तय मापदंडों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। निर्धारित सीमा से कहीं ज्यादा गहराई तक खुदाई हो रही है, और परिवहन के नियमों का भी कोई पालन नहीं किया जा रहा।

सूत्रों की मानें तो इस पूरे खेल के पीछे कमीशन का बड़ा नेटवर्क सक्रिय है। चर्चा है कि स्थानीय स्तर पर कुछ प्रभावशाली लोगों के संरक्षण में यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। हर ट्रिप पर तय रकम वसूली जाती है, जिसका हिस्सा ऊपर तक पहुंचने की बात कही जा रही है। यही वजह है कि जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं या जानबूझकर आंखें मूंदे बैठे हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि आम जनता की शिकायतों के बावजूद प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह निष्क्रिय बना हुआ है। ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है, लेकिन उनकी आवाज सुनने वाला कोई नहीं है। अगर यही हाल रहा तो आने वाले समय में यह मुद्दा बड़ा जनआंदोलन बन सकता है।

अब सवाल यह उठता है कि जब सब कुछ खुलेआम हो रहा है, तो आखिर प्रशासन कब जागेगा? क्या कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित रह जाएगी, या फिर वाकई में मुरुम माफिया पर नकेल कसी जाएगी? या फिर कमीशन के इस खेल में यूं ही प्राकृतिक संसाधनों की लूट जारी रहेगी?

पाटन में मुरुम खनन का यह काला खेल सिर्फ जमीन ही नहीं, बल्कि प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी गहरे सवाल खड़े कर रहा है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अफसर अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं या फिर यह अवैध कारोबार यूं ही बेलगाम चलता रहेगा।

अक्षय तृतीया पर गुड्डा-गुड़िया का कराया ब्याह, निकाली बारात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जामुल

■ छत्तीसगढ़ की परंपरा को बचाए रखने किया जा रहा अनोखा प्रयास

माँ भवानी मंदिर वार्ड क्रमांक 08 जामुल में अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर गुड्डा गुड़ियां को भगवान शिव माता पार्वती की प्रतीक मान कर विवाह का कार्यक्रम रखा गया। जिसमे भव्य झांकी के साथ नगर में बारात भ्रमण किया गया। तत्पश्चात मेहमानों के लिए स्वरुचि भोज की व्यवस्था भी की गई। इस आयोजन मे हर साल की भाति सैंकड़ो की संख्या मे नागरिक गण बाराती के रूप मे शामिल हुए। आयोजन माँ भवानी मंदिर व तर्पण सामाजिक संस्था द्वारा किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य मात्र छत्तीसगढ़ की परम्परा जो भागमभाग भारी जिंदगी के कारण विलुप्त सी होती जा रही है, उसे संरक्षित करना व उसका सम्मान करना रहा।

सेवानिवृत्ति पर प्रधान पाठक को दी भावभीनी विदाई

पाटन। अखरा शाला के सेवानिवृत्त प्रधान पाठक गोपेन्द्र कुमार साहू को भावभीनी विदाई दी गई। पीएमश्री प्रांगण से उत्कृष्ट प्रधान गोपेन्द्र साहू के साथ शिक्षिका नीलिमा नेताम को भी बिदाई दी गई। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। वरिष्ठ जनों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष निक्की भाले, उपाध्यक्ष निशा सोनी और सभापति नेहा बाबा वर्मा ने शॉल श्रीफल व स्मृति चिह्न से सम्मानित किया। शाला परिवार की ओर से फोटो कोलाज, अभिनंदन पुष्प, जीवन परिचय फ्रेम और स्मृति चिह्न भेंट किया गया। इस दौरान हीरासिंह वर्मा, के पी हिरवानी, भास्कर सावर्णी, आशा मानिकपुरी, संतराम साहू, रामू राम चक्रधर, परसराम साहू आदि उपस्थित थे।

बिजनेस साइट

आदित्य विजन छत्तीसगढ़ में अपने दो नए स्टोर का किया शुभारंभ

भिलाई। गढ़बो नया छत्तीसगढ़ के सपनों को साकार करते हुए देश की अग्रनी रिटेल चेन, आदित्य विजन अब छत्तीसगढ़ में दो नये स्टोर के साथ दुर्ग- स्टेशन रोड, शंकर नगर, तरुण टॉकीज के सामने तथा भिलाई-200वें स्टोर आदित्य टॉवर, जीई रोड आकाश गंगा मार्केट में हुआ। आदित्य विजन उपभोक्ता उपकरणों के लिए बिहार का एक विश्वसनीय और अपने बेहतरीन सर्विस तथा शानदार ऑफर्स के लिए जाना हुआ नाम है। आदित्य विजन ने अपना पहला शोरूम 1999 में पटना के तारामण्डल के सामने शुरू किया, उसके बाद यह कारवां आज 2026 में अपने 199वें एवं 200वें शोरूमों के साथ खड़ा है। आदित्य विजन के निदेशक निशांत प्रभाकर ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर कहा, हम ग्राहकों के समर्थन से स्टोर खोलने के लक्ष्य को पूरा कर पाए हैं। यह सफलता हमारे ग्राहकों, कर्मचारियों और सहयोगियों की निरंतर मेहनत और भरोसे का परिणाम है। आदित्य विजन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होने वाला बिहार का पहला इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन है। इस अवसर पर उन्होंने अपने सभी कर्मचारियों, शुभचिंतकों, सहयोगियों तथा ग्राहकों को उनके विश्वास के लिए उनका हार्दिक धन्यवाद किया। इस दौरान हमने अपने ग्राहकों की सुविधा का निरंतर ख्याल रखा है जिससे उन्हें उनकी खरीदारी में हम अधिक से अधिक सहूलियत दे सके। ब्याज मुक्त फाइनेंस 36 आसान मासिक किश्तों में केवल मूल राशि का भुगतान, डेबिट कार्ड द्वारा पेपरलेस फाइनेंस सुविधा, 'जीरो डाउन पेमेंट' पर मनचाहे उत्पाद की खरीदारी और त्वरित डिलीवरी, पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के बदले सुपर एक्सचेंज ऑफर, हाथों-हाथ आसान लोन सुविधा, जिसमें प्रमुख वित्तीय संस्थान जैसे एचडीएफसी, आईडीएफसी फर्स्ट, आईसीआईसीआई और बजाज फाइनेंस भागीदार हैं। बजाज फाइनेंस के ग्राहकों के लिए एक ईएमआई आदित्य विजन द्वारा वहन की जाएगी। 7500 रुपए तक का कैशबैक और 10 प्रतिशत तक का इंस्टेंट डिस्काउंट, क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर लागू है। स्मार्टफोन, लैपटॉप और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर विशेष छूट और ऑफर्स, लैपटॉप की खरीदारी पर वायरलेस कीबोर्ड और माउस फ्री - ग्राहकों के लिए विशेष सेवा और सहायताः आदित्य विजन का कस्टमर हेल्पलाइन आदित्य सेवा सप्ताह के सातों दिन ग्राहकों की सहायता के लिए उपलब्ध है। साथ ही, कंपनी 'सही उत्पाद, उचित मूल्य, आसान एक्सचेंज सुविधा और फ्री होम डिलीवरी व इंस्टॉलेशन' की पेशकश करती है। ग्राहक सहायता के लिए टोल-फ्री नंबर 9955555544 पर संपर्क कर सकते हैं।

पेट में उभार दिखे तो न करें नजरअंदाज, समय पर इलाज जरूरी

दुर्ग। बदलती जीवनशैली और शारीरिक मेहनत में कमी के कारण हर्निया के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, पेट या जांघ के आसपास दिखने वाला छोटा उभार भी बड़ी बीमारी का संकेत हो सकता है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। यही लापरवाही आगे चलकर गंभीर स्थिति पैदा कर सकती है। आरोग्यम सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, दुर्ग के वरिष्ठ सर्जन डॉ. सिद्धार्थ बनर्जी बताते हैं कि हर्निया तब होता है जब पेट की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं और अंदरूनी अंग बाहर की ओर उभरने लगते हैं। शुरुआत में यह समस्या बिना ज्यादा दर्द के दिखाई देती है, लेकिन समय के साथ इसमें सूजन और दर्द बढ़ सकता है, खासकर खांसने, झुकने या वजन उठाने पर। डॉ. बनर्जी के मुताबिक, कई मरीज इसे सामान्य सूजन समझकर इलाज में देरी कर देते हैं, जिससे बाद में ऑपरेशन ही एकमात्र विकल्प बचता है। यदि समय रहते जांच और इलाज करा लिया जाए तो जटिलताओं से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि आधुनिक लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के जरिए अब हर्निया का इलाज पहले से ज्यादा सुरक्षित और आसान हो गया है। इस तकनीक में छोटे चीरे के माध्यम से ऑपरेशन किया जाता है, जिससे मरीज को कम दर्द होता है और वह जल्दी रिकवर कर पाता है।विशेषज्ञों का कहना है कि हर्निया से बचाव के लिए भारी वजन उठाने से बचना चाहिए, कब्ज और खांसी जैसी समस्याओं का समय पर इलाज कराना चाहिए, साथ ही नियमित व्यायाम और संतुलित आहार को अपनी दिनचर्या में शामिल करना जरूरी है।शहर के आरोग्यम सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में हर्निया के इलाज के लिए आधुनिक सुविधाएं और अनुभवी डॉक्टरों की टीम उपलब्ध है, जहां मरीजों को सुरक्षित और प्रभावी उपचार दिया जा रहा है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की देवकर शाखा का किया उद्घाटन

भिलाई। बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा अपने विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत देवकर में दुर्ग क्षेत्र की 57वीं शाखा देवकर का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस नवीन शाखा का उद्घाटन दिवाकर प्रसाद सिंह महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, रायपुर अंचल के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, नगर पंचायत देवकर, क्षेत्रीय प्रमुख दुर्ग क्षेत्र अनंत माधव, उप क्षेत्रीय प्रमुख जय प्रकाश नारायण, बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण, स्थानीय गणमान्य नागरिक एवं ग्राहकगण उपस्थित रहे। दिवाकर प्रसाद सिंह ने बैंक द्वारा प्रदान की जा रही उन्नत एवं प्रौद्योगिकी आधारित बैंकिंग सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं, युवा वर्ग, कृषकों एवं लघु उद्यमियों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं एवं उत्पादों का उल्लेख करते हुए बैंक की जन-केंद्रित कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष नगर पंचायत देवकर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक नई शाखा का उद्घाटन मात्र नहीं है, बल्कि देवकर क्षेत्र के आर्थिक सशक्तिकरण, व्यापारिक उन्नति, रोजगार संवर्धन तथा समग्र विकास की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय कदम है।

10वीं के उत्कृष्ट परिणाम लाने विद्यार्थियों को किया सम्मानित

भिलाई। केडी पब्लिक स्कूल में कक्षा 10वीं के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम आने के अवसर पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित करने वाले सभी मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में यशि देवांगन 94.8%, झलक साहू 91.2%, लेखराज साहू 90%, नेहल चंद्राकर 84%, श्रेयश शर्मा 83.6%, योगिता खारांशु 82.4%, खुशी साहू 80.6%, चांदनी झा 80.4%, मौली 79%, रागिनी साहू 77%, नियति मिश्रा 74.2%, निधि चंद्राकर 74%, राजवीर देवांगन 74%, देवव्रत 73%, प्राची चक्रधारी 71 और अमित साहू 71% शामिल रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी सफल विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अभिभावकों ने अपने बच्चों की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना की।

घटिया ब्रेकर निर्माण पर भड़का पेंशनर्स महासंघ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश, जिला दुर्ग के अध्यक्ष बी.के. वर्मा के नेतृत्व में मीनाक्षी नगर से बोरसी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से रुआबांधा सड़क में बनाए गए अवांछित एवं अमानक ब्रेकर को लेकर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया गया है। महासंघ ने आज इस मामले में कलेक्टर जनदर्शन में ज्ञापन सौंप कर ऐसे अनावश्यक ब्रेकर को तत्काल हटाने की मांग की है बताया गया है कि मीनाक्षी नगर के पास बनाए गए तीन स्तर के बेडौल ब्रेकर के कारण आए दिन दुपहिया वाहन चालकों का कार ऑटो चालकों से विवाद होते रहता है। ऐसे पांच स्थानों पर अवांछित बेडौल ब्रेकर बनाए गए हैं जिससे बुजुर्गों को भी पार करते समय दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

महासंघ के पदाधिकारी चित्रसेन चंद्राकर, नरसिंह राम पटेल एवं उदय राम पटेल द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में ऐसे ब्रेकर को तत्काल हटाने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित करने की मांग की गई है। इस पर शीघ्र कार्रवाई नहीं किए जाने की स्थिति में पेंशनर महासंघ आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

महतारी वंदन के ई-केवाईसी, जल संकट, प्रवेश प्रक्रिया व नसबंदी प्रकरण पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

■ शहर की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने बुधवार को कलेक्टर अभिजीत सिंह को शहर की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से आम नागरिकों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाते हुए शीघ्र समाधान की मांग की गई।

ज्ञापन में महतारी वंदन योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी केंद्रों में महिलाओं को हो रही परेशानियों का उल्लेख किया गया। भीषण गर्मी में बड़ी संख्या में महिलाएं लंबी कतारों में खड़ी रहने को मजबूर हैं, वहीं कई केंद्रों पर छाया, पेयजल एवं बैठने जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। कुछ स्थानों पर अनियमित शुल्क लिए जाने की शिकायतें भी सामने आई हैं, जिस पर रोक लगाने एवं पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई। साथ ही शहर में गहराते जल संकट का मुद्दा उठाते हुए बताया गया कि पानी की अनियमित आपूर्ति एवं लो प्रेशर के कारण नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्वामी आत्मानंद स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर भी अव्यवस्थाओं की शिकायत करते हुए इसे सरल, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाने की मांग रखी गई, ताकि अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके अतिरिक्त नसबंदी ऑपरेशन के दौरान हुई महिलाओं की मृत्यु के मामले को गंभीरता से उठाते हुए कहा गया कि अब तक न तो मृत्यु के कारण स्पष्ट किए गए हैं, न जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हुई है और न ही पीड़ित परिवारों को 2 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। इस मामले में शीघ्र जांच पूरी कर रिपोर्ट सार्वजनिक करने एवं मुआवजा देने की मांग की गई। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, दीपक साहू, प्रेमलता साहू, कन्या धीमर, आनंद ताम्रकार, गुरदीप सिंह भाटिया, देवश्री साहू, ओमप्रकाश जोशी, ज्ञानदास बंजारे, मुकेश साहू, सुरेंद्र राजपूत, राहुल शर्मा, देव सिन्हा, अनूप वर्मा, गौरव उमरे आदि उपस्थित थे।

कमिश्नर ने खुद किया स्व-गणना, दिया डिजिटल भागीदारी का संदेश

दुर्ग। भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत स्व-गणना की प्रक्रिया 16 से 30 अप्रैल तक संचालित की जा रही है। इसी क्रम में नगर निगम दुर्ग के कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने अपने चेंबर में मोबाइल के माध्यम से अपने परिवार की स्व-गणना कर नागरिकों को इस अभियान में भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कमिश्नर ने बताया कि स्व-गणना की यह डिजिटल व्यवस्था नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है।

आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया सरल, तेज और पारदर्शी बनती है। उन्होंने जानकारी दी कि पोर्टल पर पूछे गए सभी प्रश्न सरल और सहज भाषा में हैं, जिन्हें मोबाइल, कंप्यूटर या लैपटॉप के जरिए आसानी से भरा जा सकता है। प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद नागरिकों को स्व-गणना आईडी प्राप्त होगी, जो आगे के सत्यापन में सहायक होगी। कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने बताया कि स्व-गणना चरण पूर्ण होने के बाद 1 से 31 मई तक प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी का सत्यापन करेंगे और जनगणना कार्य को अंतिम रूप दिया जाएगा।

प्री बीएड के लिए आवेदन कल शाम 5 बजे तक

दुर्ग। व्यापम द्वारा आयोजित प्री बीएड प्रवेश परीक्षा 2026 हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 24 अप्रैल शुक्रवार शाम 5 बजे तक है। बीएड के लिए लगभग 14600 सीट के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित किया जाएगा। बीएम कॉलेज, गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग छत्तीसगढ़ जो कि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था है जिसके अंतर्गत बीएड, बीसीए, बीबीए, पीजीडीसीए कोर्स संचालित होता है। बीएम कॉलेज की स्थापना वर्ष 2008 में हुई है, प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी संस्था में आकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। बीएम प्राइवेट आईटीआई, एनसीवीटी दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था है जिसके अंतर्गत ट्रेड- कोपा, इलेक्ट्रीशियन, फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट, डीजल मैकेनिक, हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर एवं स्टेनो हिंदी कोर्स संचालित है। फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट की डिमांड नगर-निगम, रेलवे तथा बड़े-बड़े मॉल्स, हॉस्पिटल, रिफाइनरी फैक्ट्री तथा अन्य एवं हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर की डिमांड नगर निगम तथा रेलवे डिपार्टमेंट में है। छत्तीसगढ़ राज्य शासन के बजट के अनुसार राज्य के 10 जिलों में फायर स्टेशन की स्थापना होना है जिसमें दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर जिला भी शामिल है। संस्था द्वारा आरक्षित वर्ग के लिए छात्रवृत्ति की सुविधा भी उपलब्ध है। छात्र अपनी सुविधानुसार ट्यूशन फीस को किस्तों में भी जमा कर सकते हैं। आईटीआई प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी संस्था में आकर प्रवेश ले सकते हैं।

शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषी
पं.एम.पी. शर्मा
माँ दुर्गा बगुलामुखी उपासक
फीस 251/-
माँ कामख्या बगुलामुखी उपासक विगत चालिस वर्षो से स्थाई तौर पर उपस्थित माँ कामख्या बगुलामुखी की असीम कृपा साधना द्वारा ज्योतिष शास्त्र सम्बन्धित कम्प्यूटर द्वारा जन्मकुण्डली देखते एवं बनाते है। ग्रहों की महादशाओं के शुभ-अशुभ परिणाम आते है। आर्थिक, मानसिक, पारिवारिक, शारीरिक, व्यापार संबंधी कालसर्प दोष, मांगलिक दोष, गृहकलेश, विवाह में बाधा पिशाच दोष, गुप्त शत्रु बाधा, ग्रहण दोष आदि सभी समस्या हेतु पूजा अनुष्ठान बगुलामुखी साधना द्वारा सर्व समस्या हेतु सम्पर्क करें।
विशेष - भक्तगण उच्चाटन, आकर्षण, मस्तिष्क दमन इन बाधाओं से पीड़ित है बगुलामुखी साधना द्वारा समाधान किया जाता है।
समय - सुबह 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक शाम 04 बजे से 07 बजे तक
पता : श्री दुर्गा माँ बगुलामुखी ज्योतिष कार्यालय, धमधा नाका चौक, सुर्या होटल के सामने, दुर्ग (छ.ग.) मो.:8109922001

//आम सूचना//

सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे पक्षकार श्रीमती अंशी बाई पिता स्व. दयाराम पटेल पति शत्रुहन लाल पटेल उम्र करीब 57 वर्ष निवासी ग्राम हरदी तहसील धमधा, जिला-दुर्ग (छ.ग.) द्वारा प्रदत्त अधिकार व के निर्देशानुसार सूचना प्रकाशित करते हैं कि हमारे पक्षकार अंशी बाई की पैतृक सम्पत्ति ग्राम हरदी प.ह.नं. 24 रा. नि.मं. दारगाँव तहसील धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नं. 379 रकबा 0.25 हे. है जिस पर हमारे पक्षकार अंशी बाई के पिता दयाराम की मृत्यु होने के पश्चात ललिता बाई नाम की महिला ने अवैधानिक नानांतरण के पश्चात् खाता विभाजन कर खसरा नंबर 379/1 रकबा 0.125 हे. को विक्रय करने हेतु तत्पर है जबकि उक्त वाद भूमि में ललिता बाई का कोई हक अधिकार व कब्जा नहीं है। जिसके संबंध में सिविल वाद श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी धमधा जिला दुर्ग के न्यायालय मे लंबित है जिसका व्यवहार वाद क्र. 25 अ/2024 संबंधित पक्षकार अंशीबाई विरूद्ध ललिता बाई है जिसकी आगामी पेशी तिथि 04/05/2026 को नियत है।

अतः ग्राम हरदी प.ह.नं. 24 रा.नि.मं. दारगाँव तहसील धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नं. 379/1 रकबा 0.125 हे. को ललिता बाई से कोई भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, निकाय क्रय-विक्रय न करें, उसके बावजुद भी क्रय-विक्रय करते हैं तो उसके समस्त जवाबदारी स्वयं की होगी, जिस पर हमारे पक्षकार पर कोई बंधनकारी नहीं होगी।

स्थान-दुर्ग
दिनांक-21/04/2026

आपका शुभेच्छु
बी.एल.पटेल (अधिवक्ता)
जिला न्यायालय दुर्ग (छ.ग.)
मो.-93012-53784

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

जल की रक्षा, मानवता की सुरक्षा

दैनिक जीवन में जल बचत के उपाय

हम अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव करके भी जल संरक्षण कर सकते हैं। जैसे ब्रश करते समय नल बंद रखना, बाल्टी से नहाना, गाड़ी धोने में पाइप की जगह बाल्टी का उपयोग करना और लीकेज तुरंत ठीक करना। ये छोटे कदम बड़े परिणाम ला सकते हैं।

श्रीमती रमशीला साहू
पूर्व मंत्री - महिला एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण

हरिभूमि की पहल...

अपने घर के सामने पक्षियों और जानवरों के लिए पानी से भरा हुआ पात्र रखें

बढ़ते जल संकट के बीच संरक्षण ही एकमात्र समाधान
हर बूंद बचाना आज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी

पानी पृथ्वी पर जीवन का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। मानव, पशु, वनस्पति-सभी का अस्तित्व जल पर निर्भर करता है। इसके बावजूद आज जल की बर्बादी और प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है, जिससे दुनिया भर में जल संकट गहराता जा रहा है। ऐसे समय में "जल ही जीवन है" का महत्व और भी बढ़ जाता है, और इसे बचाना हम सभी की जिम्मेदारी बन जाती है।

जल का महत्व

जल के बिना जीवन की कल्पना असंभव है। यह न केवल पीने के लिए आवश्यक है, बल्कि खेती, उद्योग, ऊर्जा उत्पादन और पर्यावरण संतुलन के लिए भी अत्यंत जरूरी है। शरीर का अधिकांश हिस्सा पानी से बना होता है, जिससे यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी अनिवार्य तत्व बन जाता है।

जल संकट के कारण

आज जल संकट के कई प्रमुख कारण हैं, जिनमें बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण, औद्योगीकरण और जल का अत्यधिक दोहन शामिल है। इसके अलावा वर्षा की अनियमितता और जल स्रोतों का प्रदूषण भी इस समस्या को और गंभीर बना रहे हैं। कई स्थानों पर भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है, जिससे पानी की उपलब्धता कम होती जा रही है।

जल संरक्षण की आवश्यकता

जल संकट से बचने के लिए जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। यदि आज हम पानी की बचत नहीं करेंगे, तो भविष्य में पीने के पानी के लिए भी संघर्ष करना पड़ सकता है। जल संरक्षण से न केवल वर्तमान जरूरतें पूरी होती हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी पानी सुरक्षित रहता है।

जल बचाने के उपाय

जल संरक्षण के लिए हमें अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव करने होंगे। जैसे-नल को बेवजह खुला न छोड़ना, लीकेज को तुरंत ठीक करना, बाल्टी से नहाना और पानी का सीमित उपयोग करना। वर्षा जल संचयन को अपनाकर हम बारिश के पानी को संग्रहित कर सकते हैं। खेती में आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रिप इरिगेशन का उपयोग भी जल बचाने में सहायक है।

जल प्रदूषण पर नियंत्रण

जल को बचाने के साथ-साथ उसे स्वच्छ रखना भी जरूरी है। फैक्ट्रियों का गंदा पानी, प्लास्टिक कचरा और रासायनिक पदार्थ जल स्रोतों को दूषित कर रहे हैं। इसके लिए सख्त नियमों का पालन और जागरूकता जरूरी है, ताकि हमें स्वच्छ और सुरक्षित पानी मिल सके।

जनभागीदारी और जागरूकता

जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। जब समाज के सभी लोग मिलकर प्रयास करेंगे, तभी इस समस्या का समाधान संभव होगा। स्कूलों और सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों में जागरूकता फैलाना भी जरूरी है।

अंततः, जल ही जीवन का आधार है और इसे व्यर्थ बहाना हमारे भविष्य को खतरे में डालना है। हर बूंद कीमती है और इसे बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। यदि हम आज से ही जल संरक्षण के प्रति जागरूक होकर कदम उठाएं, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।

जल संकट की बढ़ती चुनौती

देश के कई हिस्सों में लोग पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कई जगहों पर लोगों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ता है। यह स्थिति हमें चेतावनी देती है कि यदि हमने अभी से जल का सही उपयोग नहीं किया, तो आने वाले समय में यह समस्या और गंभीर हो सकती है।

श्रीमती उषा टावरी
भाजपा प्रदेश मंत्री
छत्तीसगढ़

कृषि में जल संरक्षण के उपाय

खेती में पानी का अत्यधिक उपयोग होता है, इसलिए यहां जल संरक्षण बेहद जरूरी है। ड्रिप इरिगेशन और स्प्रिंकलर जैसी तकनीकों से कम पानी में अधिक फसल उगाई जा सकती है। इससे न केवल पानी की बचत होती है, बल्कि किसानों को भी आर्थिक लाभ मिलता है।

श्रीमती चन्द्रिका चंद्राकर
पूर्व महापौर, नगर निगम दुर्ग

जल है तो कल है...कृपया इसे व्यर्थ न बहावें

FACILITIES /उपचार

जन्मजात विकलांग, कंधों का दर्द, लकवा, कमर दर्द, घुटनों का दर्द, मांस पेशियों की कमजोरी

- Adult Neuro Rehabilitation
- Electrotherapy
- Pediatrics Rehabilitation Therapies
- IASTM
- Osteopathy
- Chiropractic
- MFR
- Tapping
- Cupping Therapy
- Dry Needling
- Dynamic and Kinesiology
- Manual Therapy
- Bobath and NDT Technique
- Pilates Core
- Stability Excercise

Dr. Supriya Gupta
MPT Neuro

Neuro Motion Rehabilitation Clinic
New Adarsh Nagar Durg, Mob. : 9893259565

जनभागीदारी से जल संरक्षण

जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। जब समाज के सभी लोग मिलकर प्रयास करेंगे, तभी इस समस्या का समाधान संभव होगा। सामूहिक प्रयास से ही जल संकट को दूर किया जा सकता है।

मिथिला खिचरिया
भाजपा उपाध्यक्षा-भिलाई

जल ही जीवन का आधार

जल ही जीवन है" केवल एक नारा नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन का मूल आधार है। मानव, पशु और पेड़-पौधे सभी का अस्तित्व जल पर निर्भर करता है। आज बढ़ती जनसंख्या और संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण जल संकट गंभीर रूप ले रहा है। यदि समय रहते जल संरक्षण नहीं किया गया, तो भविष्य में पीने योग्य पानी की भारी कमी हो सकती है। इसलिए हमें जल का महत्व समझकर इसे बचाने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

श्रीमती स्वीटी कौशिक
महिला मोर्चा, जिला अध्यक्ष
भाजपा, भिलाई

दैनिक जीवन में जल बचत के उपाय

जल को स्टोर करना आज के समय में बेहद आवश्यक हो गया है, क्योंकि बढ़ती आबादी और सीमित जल संसाधनों के कारण पानी की कमी लगातार बढ़ रही है। वर्षा जल संग्रहण और अन्य तरीकों से पानी को संचित करने से भविष्य में होने वाले जल संकट से काफी हद तक बचा जा सकता है। जब हम पानी को स्टोर करते हैं, तो सूखे या गर्मी के मौसम में भी हमें पर्याप्त पानी उपलब्ध रहता है। इससे भूजल स्तर भी बढ़ता है, जिससे कुएं और हैंडपंप लंबे समय तक चलते रहते हैं।

जल संग्रहण किसानों के लिए भी बहुत फायदेमंद है, क्योंकि इससे सिंचाई के लिए पानी आसानी से मिल जाता है और फसल उत्पादन बेहतर होता है। इसके साथ ही पानी की बर्बादी कम होती है, क्योंकि बारिश का पानी सीधे बहने के बजाय उपयोग में लाया जाता है। जल को स्टोर करने से आर्थिक बचत भी होती है, क्योंकि पानी खरीदने या टैंकर मंगाने की जरूरत कम पड़ती है।

श्रीमती सीता साहू
पूर्व अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, भिलाई- चरोदा

जल ही जीवन है
इसे व्यर्थ न बहायें...

जल की बर्बादी: एक गंभीर समस्या

प्रकृति ने हमें जल के रूप में अनमोल उपहार दिया है, लेकिन हम इसका दुरुपयोग कर रहे हैं। घरों में नल खुला छोड़ देना, जरूरत से ज्यादा पानी बहाना और रिसाव को नजरअंदाज करना आम आदत बन चुकी है।

यह छोटी-छोटी लापरवाहियां मिलकर बड़े संकट को जन्म देती हैं। यदि हर व्यक्ति पानी बचाने का संकल्प ले, तो स्थिति में सुधार संभव है।

हिमा साहू
जिला मंत्री भाजपा
पूर्व दो बार जिला पंचायत सदस्य
महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य
पूर्व पंचायत प्रकोष्ठ के संयोजक भाजपा
पूर्व प्रदेश संयोजिका साहू समाज

वर्षा जल संचयन का महत्व

जल संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन एक प्रभावी उपाय है। बारिश का पानी सीधे बहकर नालियों में चला जाता है, जबकि इसे संग्रहित कर भविष्य में उपयोग किया जा सकता है।

इससे भूजल स्तर भी बढ़ता है और जल संकट को कम करने में मदद मिलती है। हर घर और संस्थान में इस तकनीक को अपनाना जरूरी है।

श्रीमती रामकली यादव
सदस्य पुलिस जवाबदेही प्राधिकार छ.ग. शासन

पर्यावरण संतुलन में जल की भूमिका

जल केवल पीने के लिए ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए भी आवश्यक है। नदियां, झीलें और तालाब पारिस्थिति की तंत्र का अहम हिस्सा हैं। इनके सूखने या प्रदूषित होने से पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, इसलिए इनका संरक्षण जरूरी है।

ललिता सिंह
अध्यक्ष एवं संस्थापिका - ओजस महिला समाज सेवा समिति की
जिला अध्यक्ष- अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा वीरांगना
जिला अध्यक्ष- नागरिक सुरक्षा फाउंडेशन छत्तीसगढ़
अध्यक्ष- नारी स्व सहायता समूह
कार्यकर्ता- भारतीय जनता पार्टी

हरिभूमि लाइव

रायपुर, गुरुवार 23 अप्रैल 2026

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

लाइव इवेंट

सड़क दुर्घटनाओं के प्रति जागरुकता बढ़ाने और सुरक्षा का दिया संदेश

भिलाई। बढ़ती सड़क एवं औद्योगिक दुर्घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए एक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें सुरक्षा मानकों के पालन, दुर्घटना से बचाव एवं पीड़ितों को मिलने वाली शासकीय व गैर-शासकीय सहायता की विस्तृत जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसी क्रम में अभिनव प्रयास जन जागरण समिति दुर्ग द्वारा घनश्याम पाण्डेय एवं देव नारायण देवांगन के सहयोग से आयोजित सेमिनार में बीईसी प्लांट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सहभागिता रही।

संस्था के अध्यक्ष कमलेश तिवारी ने औद्योगिक, सड़क एवं अन्य प्रकार की दुर्घटनाओं में मिलने वाली विभिन्न सरकारी योजनाओं, बैंकिंग सुविधाओं एवं बीमा लाभों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में मृत्यु, पूर्ण या आंशिक विकलांगता की स्थिति में बिना किसी विशेष पॉलिसी के भी राज्य शासन की योजनाओं के तहत 1.5 लाख रुपये तक कैशलेस या निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने प्रधानमंत्री बीमा योजनाओं का उल्लेख किया। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटना की स्थिति, एलपीजी गैस दुर्घटनाओं में पीड़ित या मृतक के परिजनों को मिलने वाली सहायता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई। संस्था के सचिव प्रदीप पाण्डेय ने कहा कि सड़क एवं कार्यस्थल पर होने वाली दुर्घटनाएं आज गंभीर समस्या का रूप ले चुकी हैं। हर वर्ष हजारों लोग सुरक्षा नियमों का पालन न करने और बिना हेलमेट के अपनी जान गंवा देते हैं। उपाध्यक्ष कमल नारायण शर्मा ने संस्था के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन दुर्घटना के बाद पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता दिलाने में निःशुल्क सहयोग करता है, लेकिन यह भी आवश्यक है कि लोग दुर्घटनाओं से बचाव को प्राथमिकता दें। कार्यक्रम के अंत में प्रदीप पाण्डेय द्वारा प्लांट हेड घनश्याम पाण्डेय, एचआर देव नारायण देवांगन सहित उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा ही समझदारी है और हेलमेट एवं सेफ्टी ही जीवन की सच्ची जिम्मेदारी है कि शपथ दिलाई गई।

विश्व विरासत दिवस पर आ अब लौट चलें कार्यक्रम में बच्चों ने बिखेरा देशभक्ति और शास्त्रीय कला का रंग

नन्हें कलाकारों के सुर और ताल पर सधे नृत्य से सजी सांस्कृतिक विरासत

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करने की दिशा में आयोजित एक विशेष सांस्कृतिक संध्या में नन्हे कलाकारों के मधुर गायन, सधे हुए वादन और मनमोहक नृत्य ने ऐसा समां बांधा कि पूरा सभागार देशभक्ति और शास्त्रीयता के रंग में सराबोर हो उठा। विश्व विरासत दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को गायन, वादन और नृत्य कौशल को मंच प्रदान कर भारतीय सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने के लिए किया गया। जिसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा प्रदर्शन करते हुए भारतीय संस्कृति की विविधता और गहराई को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की खास बात 5 से 15 वर्ष तक के बच्चों के लिए बिना किसी प्रतिस्पर्धा किये आयोजन किया गया था।

5 से 15 वर्ष के बच्चों ने आ अब लौट चलें का दिया संदेश

भिलाई। इंटैक दुर्ग-भिलाई अध्याय एवं अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देश्यीय संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आ अब लौट चलें सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन मैत्री विद्या निकेतन, भिलाई में किया गया। कार्यक्रम में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ. भूपेन्द्र कुलदीप, मैत्री विद्या निकेतन निदेशक राजअम्मा और सजीव उपस्थित थे।

प्रतिभा सम्मान की अनूठी पहल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. भूपेन्द्र कुलदीप ने कहा कि आयोजन में प्रतियोगिता का दबाव नहीं रखा गया, बल्कि सभी प्रतिभागियों को विजेता मानकर उनकी कला का सम्मान किया गया। उन्होंने आयोजकों की इस सकारात्मक सोच की सराहना की। राजअम्मा ने कहा कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए ऐसे कार्यक्रम आवश्यक हैं। वहीं सजीव ने कहा कि आधुनिक दौर में रिमिक्स संस्कृति के बीच शास्त्रीय और देशभक्ति कला को जीवंत बनाए रखना समय की जरूरत है।

प्रस्तुतियों ने बांधा समां

कार्यक्रम की शुरुआत नन्हीं कृतिका के आई लव माय इंडिया गीत से हुई। इसके बाद श्रवण डिंगा ने की-बोर्ड, दीपा सोनी ने भजन, रिया एवं आन्वी चन्द्राकर ने पियानो, प्रणव गुप्ता ने देशभक्ति गीतों सहित सभी बच्चों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। सावी खण्डेलवाल, एनी टेटे, नम्रता सिंह, आयुष्मान त्रिपाठी, आराध्या त्रिपाठी सहित अनेक प्रतिभागियों ने भक्ति एवं देशभक्ति गीतों से माहौल को भावविभोर कर दिया। वहीं ईशिका दलाई एवं समूह, मेलोनी रत्नानी, आर्या अग्रवाल, ओमिशा पाण्डेय, समिरा शुक्ला, निखर जैन, आत्मजा दातोण्डे, लावण्या, प्रीति बिसोई, आरोही श्रीवास्तव, रुद्रांशी चौधरी सहित अन्य प्रतिभागियों ने भरतनाट्यम, कथक, कुचिपुड़ी जैसी शास्त्रीय नृत्य शैलियों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा समूह गायन एवं नृत्य की प्रस्तुति दी। अंतिम प्रस्तुति विद्या साहू के शास्त्रीय गायन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।
कार्यक्रम का संचालन कुमारी आध्या मिश्रा और आकांक्षा ने किया। इस अवसर पर अभिलाषा मिश्रा, पुष्पा चौव्हान, भारती, उमा नायर, तब्बसुम, सोनम गुप्ता एवं विश्वास तिवारी उपस्थित थे।

संस्कृति से जुड़ने का सशक्त माध्यम

उत्कृष्ट समूह की अध्यक्ष व आयोजक शानू मोहनन ने बताया कि 5 से 15 वर्ष तक के बच्चों को मंच देकर उन्हें भारतीय कला और संस्कृति से जोड़ना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। बिना प्रतिस्पर्धा के बच्चे खुलकर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके। इंटैक दुर्ग-भिलाई की संयोजिका डॉ. हंसा शुक्ला ने कहा कि सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण संस्था का मूल उद्देश्य है और बच्चों के माध्यम से देशभक्ति एवं शास्त्रीय कला के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है।

लाइव इवेंट

भीषण गर्मी में राहत का संदेश, शरबत और तरबूज वितरण से मिली ठंडक

भिलाई। तपती गर्मी के बीच राहत और सेवा का संदेश देते हुए लायंस क्लब तेजस्वी द्वारा राहगीरों और आमजन को ठंडक पहुंचाने का प्रयास किया गया। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए आयोजित इस कार्यक्रम में लोगों को शरबत पिलाकर एवं फल वितरित कर गर्मी से राहत दिलाई गई। अक्षय तृतीया के अवसर पर लायंस क्लब तेजस्वी द्वारा सेक्टर-10 में सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 200 लोगों को शरबत पिलाया गया और तरबूज का वितरण किया गया, जिससे लोगों को तेज गर्मी में ताजगी का अनुभव हुआ। इस दौरान एक ओर लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं समाज में सेवा और संवेदनशीलता का संदेश भी दिया।

पक्षियों के लिए भी संवेदनशील पहल

कार्यक्रम की एक विशेष पहल के तहत मिट्टी के सकोरे यानी जल पात्र का वितरण भी किया गया, ताकि गर्मी के मौसम में पक्षियों को पानी उपलब्ध कराया जा सके और उनकी प्यास बुझाई जा सके। क्लब की अध्यक्ष गीता प्रसाद ने बताया कि क्लब द्वारा हर वर्ष गर्मी के मौसम में इस प्रकार के आयोजन किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य लोगों को राहत पहुंचाने के साथ-साथ समाज में सेवा भाव को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि इस बार गर्मी से राहत थीम पर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन में सचिन, नम्रता सिंह, कोषाध्यक्ष सनम, अर्चना साहू, किरण सिंह, वंदना साहू, उपासना साहू, नीतू खत्री, वैशाली चड्ढा एवं सुषमा सावरकर का योगदान रहा।

युवा मादक पदार्थों के दुरुपयोग के प्रति हुए जागरूक

भिलाई। खालसा कॉलेज दुर्ग एवं इनर व्हील क्लब के संयुक्त तत्वावधान में युवाओं में मादक पदार्थों का दुरुपयोग और साइबर अपराध विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें अतिथि वक्ता के रूप में प्रख्यात डॉ. प्रमोद गुप्ता मनोचिकित्सक, डायरेक्टर, सेंट्रल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंस उपस्थित रहे। डॉ. प्रमोद गुप्ता ने विद्यार्थियों से प्रत्यक्ष वार्ता की और युवाओं में मादक पदार्थों के प्रति आकर्षण के कारण को बताते हुए मादक पदार्थों के सेवन एवं साइबर अपराध के मध्य संबंध को घटनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों के मध्य प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। व्याख्यान के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों के शंकाओं को दूर किया गया। इस कार्यक्रम में इनरव्हील क्लब के सदस्यों सहित खालसा एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष त्रिलोक सिंह ढिल्लों और सदस्य, खालसा कॉलेज के विद्यार्थी और खालसा स्कूल दुर्ग के सभी स्टाफ उपस्थित रहे।

सोलर ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के लिए किया जागरूक ऊर्जा बचत करने दिलाई शपथ

भिलाई। शहीद डोमेश्वर साहू शासकीय महाविद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर हर दिन हो पृथ्वी की रक्षा विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. शिखा अग्रवाल ने कहा कि पृथ्वी दिवस का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, जो वर्तमान समय में अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को एकल-उपयोग प्लास्टिक का त्याग, कचरा पृथक्करण, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, बिजली की बचत तथा वृक्षारोपण जैसे उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन रा.से.यो. प्रभारी चेतना सोनी ने किया। मुख्य अतिथि नरेंद्र धामुडी ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत सोलर ऊर्जा की उपयोगिता, सब्सिडी एवं अतिरिक्त आय की संभावनाओं की जानकारी दी। स्काई टीम के सदस्यों ने सोलर प्रोजेक्ट से बिजली बिल कम करने और आय बढ़ाने के बारे में बताया।

अंडर 7 शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन 2 मई से

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के तत्वाधान में 2 और 3 मई को अंडर 7 राज्य शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन रायपुर के बलबीर सिंग जुनेजा इनडोर स्टेडियम स्थित छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के कार्यालय में किया गया है। इस चैम्पियनशिप में चयनित दो बालक और दो बालिका अंडर 7 राष्ट्रीय शतरंज स्पर्धा में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। स्पर्धा अंतर्राष्ट्रीय नियमों के आधार पर 6 चक्रों में खेली जायेगी। स्पर्धा में प्रवेश शुल्क पांच सौ रुपए एवं बस्तर एवं सरगुजा संभाग के प्रतिभागियों के लिए 250 रुपए निर्धारित है। स्पर्धा में भाग लेने के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ से रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है। स्पर्धा के विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को मेडल एवं ई सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन स्पर्धा के मुख्य निर्णायक होंगे। रजिस्ट्रेशन प्रभारी फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा एवं आवास प्रभारी दीपांकर सेन गुप्ता को नियुक्त किया गया है।

भिलाई में 26वीं पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विजेताओं को किया सम्मानित

राज्य पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 250 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, नश्कर बने स्ट्रांग मैन ऑफ छग 2026

कार्नर न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन एवं पॉवर जिम भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय 26वीं छत्तीसगढ़ राज्य पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का समापन हुआ। भिलाई में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर से आए 250 से अधिक सब-जूनियर, जूनियर, सीनियर, मास्टर एवं दिव्यांग वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रहे, जो स्वयं छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सीजीपीएलए मुख्य संरक्षक जी. सुरेश बाबे, अर्जुन अवार्डी बीएसपी डीजीएम राजेंद्र प्रसाद, इंद्रजीत सिंह संरक्षक, सुजीत बघेल, तुलसी सोनी कार्यकारी अध्यक्ष, तुलसी साहू, भिलाई महापौर नीरज पाल, पार्षद लक्ष्मीपति राजू और कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश चंद्राकर उपस्थित रहे। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम में चयनित जयदीप साहू, प्रियांक मिश्रा, अमान शुक्ला एवं नश्कर टंडन सहित टीम के कोच कृष्णा साहू का विशेष सम्मान किया गया।

आर्थिक सहयोग की यादें की साझा

एसोसिएशन के महासचिव कृष्णा साहू ने अपने संबोधन में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ जुड़ी पुरानी यादों को साझा किया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है, जिसकी घोषणा शीघ्र की जाएगी।

खिलाड़ियों को किया प्रोत्साहित

मुख्य अतिथि भूपेश बघेल ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन राज्य में खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं और खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने आयोजक प्रमुख कृष्णा साहू महासचिव, कैलाश जैन बरमेचा अध्यक्ष, संतोष देवांगन कोषाध्यक्ष पूरी टीम को बधाई दी।

नशकर टंडन ने उठाया 327.5 किलो वजन

राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में दुर्ग के अंतरराष्ट्रीय पावर लिफ्टर, राष्ट्रीय निर्णायक, शहीद विनोद चौबे पुरस्कार छत्तीसगढ़ शासन, जिला सचिव एवं प्रशिक्षक, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के अधीनस्थ सीएचसी रिसाली में सहायक ग्रेड 2 के पद पर कार्यरत नशकर टंडन ने 93 किग्रा मास्टर 3 वर्ग में भाग लिया। जिसमें उन्होंने स्काट 110 किग्रा, बेंच प्रेस 82.5 किग्रा एवं डेड लिफ्ट में 130 किग्रा 327.5 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

सिटी इवेंट

सनातन संस्कृति और भक्तिमय प्रसंगों से गूंजा कथा स्थल

भिलाई। बैशाख शुक्ल पंचमी के अवसर पर महादेव घाट में छत्तीसगढ़ सनातन दशनाम गोस्वामी समाज द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य प्राकट्य उत्सव श्रद्धा, भक्ति और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दुर्ग-भिलाई से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह भगवामय शोभायात्रा से हुई, जिसमें प्रदेशभर से बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। प्रांतीय प्रचार सहसचिव भारद्वाज गिरी गोस्वामी ने जानकारी देते हुए बताया कि महादेव घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आदि गुरु शंकराचार्य, भगवान शिव और दत्तात्रेय की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान शिव कथा वाचिका रेणुका गोस्वामी द्वारा प्रस्तुत शिव महात्म्य कथा ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। प्रांताध्यक्ष काशीपुरी कुंदन ने अपने संबोधन में कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य का अद्वैत दर्शन समाज को एकता का संदेश देता है। वहीं मुख्य अतिथि महंत चिंतामणि गिरि ने युवाओं को शिक्षा और संस्कार के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 64 पुजारियों का सम्मान रहा, जिन्हें भगवा वस्त्र, श्रीफल और सम्मान पत्र प्रदान किए गए। साथ ही समाज की मेधावी प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। समारोह में अनेक धर्मगुरुओं, समाज के वरिष्ठजनों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। अंत में श्रद्धालुओं को अभिमंत्रित रुद्राक्ष वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन उमेश गिरि व तरुण पुरी ने किया तथा आभार प्रदर्शन बद्री पुरी ने किया। इस अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष केशव गिरी, संजय पुरी, सह सचिव विनय पुरी, देवेंद्र गिरी, संगठन सचिव भूपेन्द्र पुरी, धर्मेंद्र प्रकाश गिरि, सह प्रचार सचिव भारद्धाज गिरी, पप्पू जनार्दन गोस्वामी,जयंत प्रकाश गिरी, दीपक गिरी, नारायण पुरी, सोनू पुरी, संजू पुरी, सोनू गोस्वामी, भोजेंद्र गोस्वामी, महेन्द्र भारती, प्रवीण गिरी, देवी गिरि, राजू पुरी, महेश पुरी, मातृशक्ति प्रकोष्ठ के शारदा गोस्वामी, अनुपमा गोस्वामी, उषा किरण गोस्वामी सीमा भारती, नमिता गोस्वामी, प्रियंका गोस्वामी, लक्ष्मी गिरी, उर्वशी गोस्वामी, प्रमिला गोस्वामी, रोशनी गोस्वामी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

● हिंदू समाज में जेठ मास में ज्येष्ठ पुत्र व पुत्री का नहीं होता विवाह

2 मई से डबल जेठ, बड़े बेटे को घोड़ी पर सवार होने बिटिया को लाल जोड़े में सजने करना होगा इंतजार

भिलाई। ट्विनसिटी के लोग अपने बड़े बेटे को घोड़ी पर सवार कराने और बिटिया को लाल जोड़े में सजाने के लिए जल्दी में हैं। आखा तीज के बाद तेज हुई शहनाई के दौर में हर पांचवें घर में बड़े पुत्र या पुत्री का हो रहा विवाह हो रहा है। पंडितों के मुताबिक पालकों की इस जल्दबाजी की वजह अगले महीनेभर तक वे अपने इन विवाहयोग्य बच्चों का विवाह नहीं कर पाना है। अक्षय तृतीया के पर्व के बाद भिलाई दुर्ग में शादियों की धूम है। अक्ति पर बीस तारीख को कई विवाह संपन्न होने के बाद आज मंगलवार को भी कई घरों के और मैरिज पैलेसों में दो, दो विवाह होते रहे। इनमें कुछ मंडपों में परिणय सत्र में बंधने वाले परिवार के सबसे बड़े पुत्र और पुत्री मेहमानों के आकर्षण व चर्चा का केंद्र बने रहे। माता पिता में अपने सबसे बड़े बच्चों के विवाह को लेकर इस हफ्ते जल्दबाजी के कारण के पीछे एक दिलचस्प मिथक बताया जा रहा है। इसके तहत हिंदू समाज में ज्येष्ठ माह में ज्येष्ठ बेटे व बेटी का विवाह नहीं होने की रुढ़ि है।

ज्येष्ठ मास में ज्येष्ठ पुत्र या पुत्री का विवाह नहीं माना जाता शुभ

पंडित त्रिलोक मिश्रा बताते हैं कि हिंदू समाज में पुरानी मान्यता है कि जेठ मास में ज्येष्ठ पुत्र या पुत्री का विवाह शुभ नहीं माना जाता है। इस कारण भिलाई दुर्ग में लोग अपने बड़े बच्चों का विवाह जेठ लगने के पूर्व कर रहे हैं। जेठ का महीना हफ्तेभर बाद 2 मई से शुरू हो रहा है। जो 2 जुलाई तक चलेगा। यानी आगे विवाह के लिए 2 महीना इंतजार करना होगा। इस बार डबल जेठ पड़ रहे हैं। मेहुल्स काड्र्स आकाशगंगा काम्पलेक्स के संचालक मेहुल सचिन सेजपाल बताते हैं कि हमारे छपने वाला हर चौथा व पांचवां बेडिंग कार्ड परिवार के बड़े बेटे है। कुछ घरों में दो बच्चों के विवाह भी हो रहे हैं।

इस माह पांच दिन होंगी ढेरों शादियां

शहर इन दिनों पूरी तरह वेडिंग के रंग में रंगा हुआ है। भवनों से लेकर मैदानों व घरों तक शहनाई गूंज रही है। पंडियों के मुताबिक इस माह विवाह के चार बड़े मुहुर्त हैं जिनमें लोग विवाह समारोह अटेंडेंट करते करते थक जाएंगे। इस माह 22 अप्रेल, 25, 28 और 29 मई को ट्विनसिटी में सैकड़ों विवाह होंगे। इसके अलावा मई महीने में 2 मई, 3,5, 10 12 और 14 मई को शुभ महुर्त है। पंडित धनेश मिश्रा बताते हैं कि इस सीजन का 14 मई विवाह का आखिरी महुर्त है इसके बाद शुभ महुर्त नहीं है। इस दौरान 1 मई से जेठ महीना शुरु हो जाने से महीनेभर बड़े बच्चो का विवा नहीं होगा। 14 मई आखिरी महुर्त है जिसके बाद सीधे 19 जून से 11 जुलाई तक विवाह के शुभ मुहुर्त होने से फिर शादी का सिलसिला तेज हो जाएगा। ग्यारह जुलाई को रथयात्रा के बाद 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी से फिर से विवाह थम जाएंगे। फिर तीन महीने बाद 20 नवंबर देवउठनी एकादशी से शादियां शुरू होंगी।

धर्म लाइव

छोटे प्रयासों से आएगा बड़ा बदलाव पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

भिलाई। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्यावरण प्रेमी प्रशांत कुमार क्षीरसागर ने अपने विचार साझा करते हुए लोगों से प्रकृति संरक्षण का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि हर वर्ष अप्रैल को मनाया जाने वाला यह दिवस पृथ्वी को सुरक्षित और स्वच्छ बनाए रखने के लिए जागरूकता का संदेश देता है। इस वर्ष की थीम हमारी शक्ति, हमारा ग्रह है, जो सामूहिक प्रयासों की ताकत को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रदूषण, वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन और जल संकट जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, जिनका सीधा प्रभाव मानव जीवन पर पड़ रहा है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे। प्रशांत ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से भी बड़ा बदलाव लाया जा सकता है, जैसे प्लास्टिक का कम उपयोग, अधिक वृक्षारोपण, पानी-बिजली की बचत और स्वच्छता बनाए रखना। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे प्राकृतिक संसाधनों का समझदारी से उपयोग करें और कचरे का सही निपटान करें। इस अवसर पर पृथ्वी बचाओ, भविष्य सुरक्षित बनाओ अभियान के तहत पियुष रुद्र शिरसागर, आदित्य नारायण शर्मा, मृणाल दत्ता, राहुल, साई, योगेश कुमार सहित अन्य साथियों का भी सहयोग रहा। अंत में उन्होंने सभी से संकल्प लेने की अपील की कि हम मिलकर अपनी पृथ्वी को स्वच्छ, हरित और सुरक्षित बनाएंगे।

सेवा कार्य की पहल

वीरांगना टीम ने किया अन्नदान वृद्धाश्रम में बांटी खुशियां

भिलाई। वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा वीरांगना, दुर्ग की टीम ने अन्नदान का संकल्प लेते हुए सेवा कार्य की पहल की। जिसके अंतर्गत टीम के सदस्यों ने स्थानीय वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों को स्नेहपूर्वक भोजन कराया और उनके साथ समय बिताया। कार्यक्रम के दौरान वृद्धजनों ने अपने परिवार की यादें साझा कीं और भावुक होकर अपने बेटे-बेटियों के बारे में बताते नजर आए। टीम के सदस्यों के साथ बिताए इस समय ने उनके चेहरे पर खुशी ला दी। कई बुजुर्गों की आंखें यह कहते हुए नम हो गईं कि फिर आना, आपसे मिलकर अच्छा लगता है।इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष किरन सिंह ने कहा कि अक्षय तृतीया पर्व अत्यंत पुण्यदायी और मंगलकारी माना जाता है। अक्षय का अर्थ है जिसका कभी क्षय न हो। इस दिन किए गए दान, पूजा-पाठ, जप और तप का फल अक्षय रहता है। इस कड़ी में अन्नदान का यह आयोजन समाज में सेवा, संवेदना और संस्कार का संदेश के लिए किया गया था। वीरांगना टीम के सभी सदस्यों ने प्रत्येक बुजुर्ग से आत्मीयता के साथ मुलाकात की और स्नेहपूर्वक भोजन परोसा। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष किरन सिंह, जिला अध्यक्ष श्रीमती ललिता सिंह, संजय सिंह, अनीमा सिंह, प्राची सिंह, मंजू भदौरिया, गायत्री सिंह, गीता सिंह एवं संध्या सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शैक्षणिक भ्रमण

छात्रों ने जंगल सफारी से समझा वन्यजीव अपराधों का विज्ञान

भिलाई। रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी भिलाई के फॉरेंसिक विज्ञान विभाग के छात्रों ने जंगल सफारी नया रायपुर का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण के द्वारा छात्रों को वन्यजीवों और उनसे जुड़े अपराधों की जांच के बारे में व्यावहारिक जानकारी देने के लिए किया गया था। फॉरेंसिक विज्ञान एक ऐसा क्षेत्र है, जिसकी मदद से वन्यजीवों से जुड़े अपराधों जैसे अवैध शिकार, तस्करी और जानवरों के अंगों के अवैध व्यापार की वैज्ञानिक जांच की जाती है। इसमें डीएनए जांच, प्रजातियों की पहचान और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है। ऐसे मामलों में फॉरेंसिक विशेषज्ञ साक्ष्यों का विश्लेषण कर सच्चाई सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भ्रमण के दौरान छात्रों ने टाइगर, शेरनी और उसके शावकों, तेंदुआ, भालू और हिरण जैसे कई वन्यजीवों को करीब से देखा। उन्होंने उनके प्राकृतिक व्यवहार को समझा और जाना कि वन्यजीवों का संरक्षण क्यों जरूरी है। साथ ही, उन्हें लुप्तप्राय प्रजातियों की सुरक्षा के बारे में भी जानकारी दी गई। छात्रों को विभिन्न प्रकार के सांपों के बारे में भी बताया गया। उन्हें सांपों की पहचान, उनके जहर के प्रकार और उसके प्रभावों के बारे में सरल तरीके से समझाया गया। यह जानकारी फॉरेंसिक टॉक्सिकोलॉजी में बहुत काम आती है, खासकर उन मामलों में जहां जहर का इस्तेमाल किया जाता है। इस शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन कॉलेज लाइफ साइंसेज की निदेशक डॉ. नीमा एस बालन के मार्गदर्शन में और विभागाध्यक्ष निशा पटेल द्वारा किया गया। इसका संचालन सहायक प्राध्यापक हिमानी कुमारी ने किया। यह भ्रमण छात्रों के लिए बेहद उपयोगी रहा। इससे उन्हें किताबों के ज्ञान के साथ-साथ फॉरेंसिक विज्ञान के व्यावहारिक पहलुओं को समझने का अच्छा अवसर मिला।

सर्व समाज कल्याण समिति के सहयोग से लावारिस का हुआ अंतिम संस्कार

भिलाई। सर्व समाज कल्याण समिति के सहयोग से लावारिस व्यक्ति मुरली का अंतिम संस्कार संभव हो पाया। भिलाई के हेल्पलाइन नंबर पर फोन के बाद समिति ने अंतिम संस्कार कराया। वार्ड 32 बैकुंठधाम की पार्षद लक्ष्मी धर्मेंद्र दिवाकर ने भी समिति से संपर्क किया। उन्होंने समिति के अध्यक्ष इंदरजीत सिंह को फोन में वस्तु स्थिति की जानकारी दी। वार्ड में मुरली नामक व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। उनके परिवार में कोई सदस्य नहीं है। उनका अंतिम संस्कार करना है। छावनी थाने से पूरी जानकारी लेकर सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष इंदरजीत सिंह ने पूरी जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने मृतक का सह सम्मान अंतिम संस्कार करने के लिए टीम को भेजा।मृतक का पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार किया गया। इस अंतिम संस्कार में छावनी थाना दुर्ग पुलिस का पूरा सहयोग मिला। इंदरजीत सिंह ने कहा कि सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई का उद्देश्य है, जिनका कोई नहीं या परिवार सक्षम नहीं उनका अंतिम संस्कार सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई करेगी।

कार्नर न्यूज

क्रोध से नहीं, सुगंध से अपने मधुर व्यवहार और विनम्र वाणी से जीतें संसार

कर्म अक्षय है, इन्हें सत्यम, शिवम और सुंदरम बनाएं, दुर्वासा नहीं-सुवासा बनने का दिया संदेश

भिलाई। आर्य समाज में अक्षय तृतीया का पर्व श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित यज्ञ एवं सभा में अक्षय तृतीया की महत्ता और उससे जुड़ी मान्यताओं का प्रभावशाली उल्लेख किया।

इस दौरान पं आचार्य अंकित शर्मा शास्त्री ने बताया कि अक्षय तृतीया केवल एक पर्व नहीं बल्कि सनातन संस्कृति में अक्षय पुण्य, सत्कर्म और शुभारंभ का प्रतीक दिवस है। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अक्षय पात्र प्रदान किया था। इसलिए यह दिवस हमें प्रेरित करता है कि हम शुभ दिन को शुभ कर्मों से जोड़ें, जिससे हमारा जीवन भी अक्षय पुण्य से परिपूर्ण हो सके।

अपने मधुर व्यवहार, विनम्र वाणी और पवित्र भाव से वातावरण को बनाएं सुखद

अक्षय तृतीया के अवसर पर आयोजित यज्ञ में सभा को संबोधित करते हुए आचार्य डॉ. अजय आर्य ने सारगर्भित और जीवन को दिशा देने वाला संदेश देते हुए कहा कि कर्म अक्षय हैं, इन्हें सत्यम, शिवम, सुंदरम बनाएं। दुर्वासा नहीं, सुवासा बनें। उन्होंने कहा दुर्वासा केवल एक ऋषि का नाम नहीं, बल्कि वह मानसिक स्थिति है जो क्रोध, ईर्ष्या और घृणा से भरी होती है। ऐसा व्यक्ति स्वयं भी अशांत रहता है और समाज में भी अशांति फैलाता है। इसके विपरीत सुवासा वह है जो सुगंध की तरह होता है जो जहां भी जाता है, अपने मधुर व्यवहार, विनम्र वाणी और पवित्र भाव से वातावरण को सुखद बना देता है।

थोड़ी मुस्कान के साथ सीख

यज्ञ का वास्तविक संदेश यही है स्वयं को इतना श्रेष्ठ बनाएं कि हमारी उपस्थिति मात्र से लोगों के जीवन में शांति, प्रेम और सद्भाव का संचार हो। ऋग्वेद की प्रार्थना हमें सिखाती है कि हम पूरी सृष्टि को मित्र दृष्टि से देखें, क्योंकि सच्चा मित्र कभी किसी का अहित नहीं चाहता। यज्ञ हमें युद्ध नहीं, शुद्ध बनाता है। आचार्य ने बताया कि यज्ञ करने वाला व्यक्ति स्वभाव से सौम्य, सुशील, सरल और रसपूर्ण होता है। उसकी वाणी में मिठास, व्यवहार में सहजता और जीवन में संतुलन होता है। क्रोध और घृणा से भरा हुआ व्यक्ति यज्ञ की भावना को धारण ही नहीं कर सकता।

कर्म वापस लौटकर आता है

कर्म का सिद्धांत अटल है कर्म और उसका फल अक्षय है। जो हम करते हैं, वही हमारे जीवन में लौटकर आता है। अच्छे कर्म सुख और शांति देते हैं, जबकि बुरे कर्म दुख और अशांति का कारण बनते हैं। यह क्रम जन्म-जन्मांतर तक चलता है। उन्होंने जीवन निर्माण के सूत्र को देते हुए कहा जो स्वयं को जीत लेता है, वही संसार को सही अर्थों में जीतता है। क्रोध क्षणिक पागलपन है, संयम स्थायी शक्ति। सुगंध बनने में समय लगता है, पर दुर्गंध फैलने में एक क्षण भी नहीं। उठिए, जागिए और स्वयं से पूछिए क्या मैं दुर्वासा हूं या सुवासा। क्या मेरी उपस्थिति से लोग दूर होते हैं या पास आते हैं।

हेल्थ टिप्स

चलने लगी है लू, बच्चों को बचाने करें तुरंत उपाय

अप्रैल के महीने में तेज चिलचिलाती गर्मी में लोगों का हाल बेहाल है। अगर आप ऐसे में अपने बच्चे को सुरक्षित रखना चाहते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें। अप्रैल के महीने में तेज चिलचिलाती गर्मी का असर बच्चों पर सबसे ज्यादा पड़ता है। कई बार बच्चे लंबे समय तक बाहर रहते हैं और सूरज की सीधी धूप में उन्हें हीट स्ट्रोक या डिहाइड्रेशन का खतरा रहता है। खासकर छोटे बच्चे और कमजोर इम्यून वाले बच्चे जल्दी प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में माता-पिता और अभिभावकों को कुछ विशेष सावधानियों का पालन करना चाहिए। आपको बच्चों को गर्मी और हीट स्ट्रोक से सुरक्षित रखने के प्रभावी तरीके जरूर जानना चाहिए।

पर्याप्त पानी पिलाएं

गर्मी में बच्चों का शरीर जल्दी डिहाइड्रेट हो सकता है। उन्हें हर 1-2 घंटे में पानी पिलाना बेहद जरूरी है। छोटे-छोटे घूंट में पानी देना ज्यादा असरदार होता है। इसके अलावा फल और जूस जैसे हाइड्रेटिंग भोजन भी मदद कर सकते हैं। इस उपाय से बच्चों का शरीर ठंडा रहता है और हीट स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है।

हल्के कपड़े पहनाएं

बच्चों को हल्के रंग और सूती कपड़े पहनाने

चाहिए। ये कपड़े गर्मी को सोखते नहीं हैं और शरीर को आराम देते हैं। डार्क रंग के भारी कपड़े धूप में शरीर की गर्मी बढ़ा सकते हैं। सूती कपड़े पसीने को अवशोषित करते हैं और जल्दी सूखते हैं, जिससे बच्चे गर्मी में सहज महसूस करते हैं।

धूप से बचाव

बच्चों को सीधे सूरज की रोशनी में लंबे समय तक न रहने दें। स्कूल जाते समय उन्हें छाता, कैप या हैट पहनने की आदत डालें। अगर रास्ते में धूप तेज है, तो उन्हें छायादार मार्ग से स्कूल भेजें। यह उनके शरीर को गर्मी से बचाता है और त्वचा पर जलन भी कम करता है।

हल्का और पौष्टिक नाश्ता

गर्मी में भारी भोजन करने से शरीर की गर्मी बढ़ती है और ऊर्जा जल्दी खर्च होती है। बच्चों को हल्का और हाइड्रेटिंग नाश्ता दें, जैसे कि फल, दही, और जूस। इससे शरीर ठंडा रहता है और बच्चे स्कूल में सक्रिय रह पाते हैं।

स्कूल बैग हल्का रखें

भारी बैग और गर्म मौसम दोनों मिलकर बच्चों को जल्दी थका सकते हैं। अगर बच्चा स्कूल या ट्यूशन जा रहा है तो जरूरी किताबें, नोटबुक और पानी की बोतल ही बैग में रखें। अतिरिक्त वजन बच्चों के कंधों और पीठ पर दबाव डालता है और गर्मी में थकान बढ़ा सकता है।

सनस्क्रीन का उपयोग

बाहर जाने से पहले बच्चों की त्वचा पर

सनस्क्रीन लगाना जरूरी है। यह त्वचा को सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाता है और जलन, लालिमा या धूप से होने वाली परेशानियों से बचाव करता है। हल्का सनस्क्रीन हर 2-3 घंटे में दोबारा लगाना फायदेमंद होता है।

कम हृदय क्षमता या पोषण की कमी को दूर करने आहार में बदलाव जरूरी

जल्द हांफ जाते हैं तो आहार से बढ़ाइए अपने शरीर की ऊर्जा, दूर हो जाएंगी सारी कमियां

अगर आप भी सीढ़ियां चढ़ते-चढ़ते हांफने लगते हैं तो आपको संभलने की जरूरत है। यहां हम आपको बताएंगे कुछ ऐसी चीजों के बारे में, जिन्हें आपको अपन डाइट में शामिल कर लेना चाहिए। अगर सीढ़ियां चढ़ते-चढ़ते आपको जल्दी हांफना महसूस होता है, तो यह आपके शरीर के लिए एक चेतावनी हो सकती है। अक्सर यह समस्या कमजोरी, कम हृदय क्षमता या पोषण की कमी की वजह से होती है।

ऐसे में सही डाइट अपनाकर आप न केवल ऊर्जा बढ़ा सकते हैं, बल्कि हृदय और फेफड़ों की कार्यक्षमता भी सुधार सकते हैं। कुछ विशेष खाद्य पदार्थ आपके शरीर को प्राकृतिक तरीके से ताकत और सहनशीलता प्रदान करते हैं।

सीढ़ी चढ़ते समय हांफना अक्सर खराब शारीरिक स्टैमिना, कमजोरी, अधिक वजन, या दिल और फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी के कारण होता है। यह समस्या शरीर में हीमोग्लोबिन/आयरन की कमी या विटामिन डी और बी12 की कमी की ओर भी इशारा कर सकती है। यदि यह समस्या अक्सर हो, तो यह हृदय रोग का भी संकेत हो सकता है।

हांफने के मुख्य कारणों में कमजोर स्टैमिनाः नियमित व्यायाम न करना। मोटापाः शरीर

का अधिक वजन फेफड़ों और दिल पर दबाव डालता है। हृदय की समस्याएंः वाल्व रोग या हृदय की पंपिंग क्षमता में कमी। फेफड़ों की स्थितिः अस्थमा, सीओपीडी, या श्वसन मार्ग में रुकावट।पोषण की कमीः हीमोग्लोबिन, आयरन, विटामिन डी और बी12 की कमी।एनीमिया रक्त में ऑक्सीजन कम होना।

क्या करें और सावधानियां

नियमित व्यायामः स्टैमिना बढ़ाने के लिए हल्की सैर या कार्डियो व्यायाम करें। सही डाइटः आयरन और पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें। वजन नियंत्रित करेंः स्वस्थ वजन बनाए रखने से सांस पर दबाव कम होता है। धीमी गतिः सीढ़ियां चढ़ते समय तेज न दौड़ें, धीरे-धीरे चढ़ें।

डॉक्टर से परामर्शः यदि छाती में दर्द, चक्कर आना, या बहुत ज्यादा हांफना हो, तो डॉक्टर से सलाह लें। यदि सीढ़ियां चढ़ने के बाद बहुत ज्यादा हांफना हो और वह जल्दी ठीक न हो, तो यह हृदय रोग या फेफड़ों से संबंधित किसी गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है।

आपको जरूर जानना चाहिए कि कौन-कौन से ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जिन्हें अपनी डाइट में शामिल कर आप सीढ़ियां चढ़ते समय हांफने जैसी समस्या से बच सकते हैं।

दूध और डेयरी उत्पाद

दूध, दही और पनीर जैसी चीजें प्रोटीन और कैल्शियम से भरपूर होती हैं। ये हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और मांसपेशियों की कार्यक्षमता बढ़ाते हैं, जिससे थकान कम महसूस होती है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, मेथी, सरसों और अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों में आयरन और विटामिन की अच्छी मात्रा होती है। यह

ब्लड हेल्थ और ऊर्जा स्तर बनाए रखने में मदद करता है।

फल

केला, सेब, संतरा और अन्य मौसमी फल शरीर को तुरंत ऊर्जा और ताजगी प्रदान करते हैं। फल विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होते हैं, जो थकान कम करने में सहायक हैं।

नट्स और बीज

अखरोट, बादाम, सूरजमुखी के बीज जैसे नट्स हृदय स्वास्थ्य और ऊर्जा के लिए अच्छे हैं। इन्हें रोजाना खाने से मांसपेशियों और शरीर की ताकत बढ़ती है।

अंडे और प्रोटीन स्रोत

अंडे, दालें और चिकन जैसे प्रोटीन स्रोत मांसपेशियों की मजबूती और सहनशीलता बढ़ाते हैं। नियमित सेवन से सीढ़ियां चढ़ते समय थकान कम महसूस होती है।

चोट लगने के बाद नहीं रुकता खून का बहना, जानलेवा हो सकती है हीमोफीलिया की समस्या

शरीर में चोट लगने, कहीं कट जाने पर खून निकलता है, हालांकि कुछ ही समय के भीतर खून निकलना बंद भी हो जाता है। ऐसा इसलिए होता है कि क्योंकि हमारा शरीर ऐसी स्थिति में खून का थक्का बना देता है जिससे कि ज्यादा खून न बहने पाए। पर क्या हो अगर किसी के शरीर में खून का थक्का ही न बने? ऐसी स्थिति में छोटे से कट से भी भारी मात्रा में खून बह सकता है जिससे शरीर पर कई प्रकार के दुष्प्रभाव हो सकते हैं। इस स्थिति को हीमोफीलिया कहा जाता है। हीमोफीलिया एक दुर्लभ विकार है जिसमें शरीर में ब्लड क्लॉटिंग ही नहीं हो पाती है क्योंकि ऐसे रोगियों में रक्त का थक्का जमाने वाले प्रोटीन की कमी हो जाती है। जिन लोगों को हीमोफीलिया है उन्हें अधिक रक्तस्राव का खतरा रहता है। इसके अलावा आंतरिक रक्तस्राव आपके अंगों और ऊतकों को नुकसान पहुंचा सकती है जिसे जीवन के लिए खतरा माना जाता है।

हीमोफीलिया की समस्या

हीमोफीलिया के लगभग सभी मामले आनुवंशिक विकार

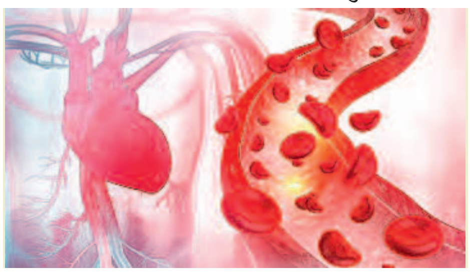

वाले होते हैं। जब किसी व्यक्ति को रक्तस्राव होता है, तो शरीर आमतौर पर रक्तस्राव को रोकने के लिए रक्त कोशिकाओं को इकट्ठा करके थक्का बनाता है। हीमोफीलिया तब होती है जब क्लॉटिंग फैक्टर का स्तर कम हो जाता है या फिर रक्त के थक्के बिल्कुल भी नहीं बन पाते हैं। यदि किसी व्यक्ति के परिवार के सदस्यों को इस तरह की समस्या रही है तो दूसरे लोगों को भी इसका खतरा हो सकता है। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में हीमोफीलिया की समस्या अधिक देखी जाती रही है।

कैसे जानें कहीं आपको तो नहीं है ये समस्या

हीमोफीलिया के लक्षण थक्के जमने के कारकों के आधार पर अलग-अलग होते हैं। आपको बिना किसी कारण के रक्तस्राव होता है या फिर थोड़े से कट के बाद अधिक रक्त निकल जाता है और सामान्य तरीकों से ये कंट्रोल नहीं हो पाता है तो इसे हीमोफीलिया का संकेत माना जा सकता है।

कटने या चोट लगने पर अत्यधिक रक्तस्राव होना, टीकाकरण या इंजेक्शन से भी असामान्य रूप से खून निकलने की समस्या, मूत्र या मल में रक्त आना, नाक से खून आना इस बात का संकेत है कि आपको हीमोफीलिया हो सकती है।

हीमोफीलिया हो जाए तो क्या करें?

जिन लोगों में हीमोफीलिया की निदान होता है उन्हें उपचार में नस में एक ट्यूब के माध्यम से क्लॉटिंग बनाने वाले प्रोटीन दिए जाते हैं। कुछ प्रकार की दवाओं के माध्यम से भी रक्त के थक्के को बनने को बढ़ावा दिया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ऐसे लोगों को चोट या किसी प्रकार के कट से बचाव को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। कुछ स्थितियों में गंभीर रक्तस्राव जानलेवा भी हो सकती है।

32वीं नेशनल मास्टर्स टेबल टेनिस के लिए छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी तैयार

रायपुर। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ के तत्वावधान में महाराष्ट्र स्टेट टेबल टेनिस संघ की ओर से 32वीं नेशनल मास्टर्स टेबल टेनिस प्रतियोगिता पुणे में 24 अप्रैल से 04 मई 2026 तक आयोजित की जा रही है। जिसमें दिनांक 24 अप्रैल से 28 अप्रैल तक 60+, 65+,70+,75+ और उससे अधिक आयु वर्ग तथा 30 अप्रैल से 04 मई तक 40+, 45+, 50+ एवं 55+ आयु वर्ग की पुरुष एवं महिला वर्ग में टीम/एकल/युगल/मिश्रित युगल वर्ग की प्रतियोगिताएं होगी।

उक्त प्रतियोगिता हेतु मुख्य अतिथि रायपुर के पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला (आईपीएस) थे। अध्यक्षता छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला ने की। अतिथियों ने छत्तीसगढ़ राज्य मास्टर्स टेबल टेनिस टीम की घोषणा की। संजीव शुक्ला ने टीम को टी शर्ट का वितरण किया गया।

प्रतियोगिता में भाग लेने छत्तीसगढ़ मास्टर्स पुरुष एवं महिला (60+, 65+,70+,75+ और उससे अधिक) की टीम बुधवार को रवाना हुई। जिसके कोच पी.एन. मजुमदार (कोरिया) एवं मेनेजर विमल नायर (रायपुर) है। छत्तीसगढ़ मास्टर्स पुरुष एवं महिला (40+, 45+, 50+ एवं 55+) टीम 28 अप्रैल को रवाना होगी। जिसके कोच दीपक कुमार वर्मा (रायपुर) एवं मैनेजर चिरंजीत राय (रायपुर महानगर) है। छत्तीसगढ़ से प्रतियोगिता में अंपायरिंग के लिए प्रिया चावड़ा (रायपुर) को चुना गया है। टीम में पुरुष (आयु वर्ग 40) निखिल बानी- कप्तान (रायपुर), चिरंजीत राय (रायपुर महानगर), दीपक कुमार वर्मा (रायपुर) महिला (आयु वर्ग 40) दिव्या आमदे- कप्तान (रायपुर महानगर), प्रमिला देवांगन (रायपुर महानगर), मोनिका दीवान (बिलासपुर) पुरुष (आयु वर्ग 45) ए.जी. राजू (दुर्ग), महिला (आयु वर्ग 45) मनीषा वाईकर (रायपुर), पुरुष (आयु वर्ग 50) राजेश अग्रवाल (रायपुर), प्रमोद मौर्या (खैरागढ़), पुरुष (आयु वर्ग 55) संजय लहेजा- कप्तान (बिलासपुर), बी. रविकांत (बिलासपुर), राजीव काले (रायपुर), महिला (आयु वर्ग 55) प्रमिला ठाकुर (रायपुर महानगर), पुरुष (आयु वर्ग 60) गिरिराज बागड़ी कप्तान (रायपुर), अरविंद कुमार शर्मा (रायपुर महानगर), योगेश प्रधान (रायपुर), मून मजूमदार (बिलासपुर), विमल नायर (रायपुर) महिला (आयु वर्ग 60) रेणुका सुब्बा (रायपुर), गीता पंडित (रायपुर) पुरुष (आयु वर्ग 65),पी.एन. मजुमदार कप्तान (कोरिया), के. रविशंकर (बिलासपुर), अजीत बेनर्जी (रायपुर), तरुण राठोड़ (रायपुर) महिला (आयु वर्ग 65), ईरा पंत (रायपुर), गौरी डे (बिलासपुर), पुरुष (आयु वर्ग 70) तपन कुमार डे (बिलासपुर). महिला (आयु वर्ग 70) शरबरी मोइत्रा (बिलासपुर) शामिल हैं। उपरोक्त जानकारी छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष विनय बैसवाड़े ने दी।

नित्या-11 ने 13 रन से जीत लिया क्रिकेट प्रीमियर लीग

भिलाई। नित्या-11 क्लब सेक्टर 7 द्वारा आयोजित नित्या वूमेंस क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 7 के मैदान में किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 7 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मैच नित्या-11 एवं खुर्सीपार वूमेंस क्रिकेट क्लब के मध्य खेला गया। जिसे नित्या-11 सेक्टर-7 की टीम ने 13 रन से जीता। प्लेयर ऑफ द मैच पायल रही। इस प्रतियोगिता के फाइनल मैच एवं पारितोषिक वितरण कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉक्टर श्रुतिका यादव थी। इस अवसर पर इंद्रजीत सिंह (छोटू), दया सिंह, डॉक्टर संजय गोयल (स्पर्श हॉस्पिटल), पार्षद लक्ष्मीपति राजू, मनीष पांडे, उमेश साहू (पार्षद), सुष्मिता साहू, डॉ पी परी, गोल्डी सोनी, तेजश्री सोनवानी, रजनी रजक, दीप्ति राठौर, और शांति साहू सहित अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन किरण साहू ने किया। यह जानकारी नित्या 11 वूमेन'एस क्रिकेट क्लब सेक्टर 7 की सचिव रानू प्रधान ने दी।

कार्नर न्यूज

काम में नहीं लगता आपका मन, तो अपनाएं वास्तु के जरूरी टिप्स

काम करते हुए आप खुद को खोया हुआ महसूस करते हैं तो मदद लीजिए वास्तु की

किसी भी काम को अच्छी तरह से करने के लिए जरूरी है कि उसमें मन लगाया जाए। हालांकि, कुछ लोगों की यह शिकायत होती है कि उनका काम में मन ही नहीं लगता है। जब भी वे किसी काम को करने लगते हैं तो उनका मन इधर-उधर भागने लगता है या फिर उनका मन उचाट लगने लगता है। ऐसे में काम में फोकस नहीं हो पाता है और व्यक्ति या तो गलतियां करने लगता है या फिर मन ना होने पर काम करने के कारण उसका काम काफी देर से खत्म होता है। यह कहीं ना कहीं आपको परेशान कर सकता है। हो सकता है कि आपके साथ भी अक्सर ऐसा होता हो और इस वजह से आप खुद को मानसिक रूप से परेशान महसूस करते हो। तो ऐसे में आपको वास्तु के कुछ छोटे-छोटे टिप्स अपनाने की जरूरत होती है। दरअसल, हमारे आसपास ऐसी कई चीजें होती हैं, जो हमारा ध्यान भटका सकती हैं या फिर उनकी वजह से हमारा काम में मन नहीं लगता है। तो चलिए आज इस लेख में वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज आपको कुछ ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

जरूर चेक करें खिड़की-दरवाजे

अगर आपको यह महसूस होता है कि आपका अपने काम में मन ही लगता है या फिर वह बार-बार भटकता है तो ऐसे में आपको अपने घर के खिड़की-दरवाजे जरूर चेक करने चाहिए। अगर आपके घर के खिड़की-दरवाजे खुलने व बंद होने पर चूं-चूं की आवाज करते हैं तो इससे आपका ध्यान भटकता है। ऐसे में कोशिश करें कि आप अपने घर के दरवाजों व खिड़कियों की ऑयलिंग करें, जिससे उनमें से आवाज ना आए।

दक्षिण-पश्चिम दिशा में ना हो मुख

घर में आप किस दिशा में मुख करके बैठते हैं, इस पर भी ध्यान देना चाहिए। अगर अक्सर काम करते हुए या फिर घर में उठते-बैठते आपका मुख ज्यादातर दक्षिण-पश्चिम दिशा में रहता है तो इससे भी व्यक्ति का मन काम में नहीं लगता है। ऐसे में व्यक्ति को बेवजह तनाव रहता है और उसे बहुत अधिक गुस्सा आता है। हरदम इस दिशा में मुख करके बैठने से व्यक्ति अधिक चिड़चिड़ा हो जाता

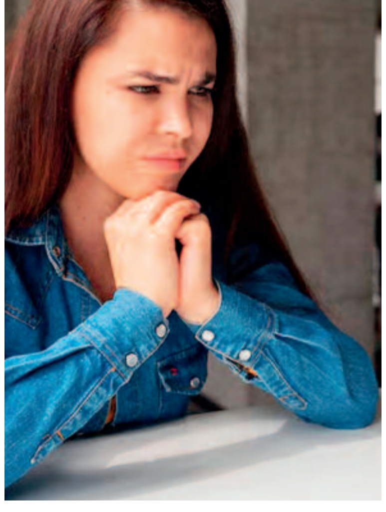

है। यहां तक कि वह बेवजह ही घर के सदस्यों पर गुस्सा करना या चिल्लाना शुरू कर देता है।

ऑक्सीजन का प्रवाह

अगर आपको ऐसा लगता है कि घर के सभी सदस्य अक्सर तनाव में रहते हैं या फिर उनका काम में मन नहीं लगता है तो आपको घर में ऑक्सीजन की सप्लाई पर ध्यान देना चाहिए। कुछ लोग अपने घर के खिड़की-दरवाजे हरदम बंद रखते हैं। ऐसा करने से ऑक्सीजन का प्रवाह सही नहीं होता है, जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा नहीं आ पाती है।दरवाजों की दिशाका भी ठीक होना जरूरी होता है। इससे भी आपका मूड हरवक्त खराब रहेगा और आपका काम में मन नहीं लगेगा। हो सकता है कि आपका घर से बाहर निकलने का भी मन ना करे और आप बहुत अधिक सुस्ती महसूस करें।

फाइलों को करें चेक

अगर आपको काम में अपना ध्यान लगाने में समस्या महसूस हो रही है तो ऐसे में आपको अपने घर व ऑफिस में रखी फाइलों को एक बार चेक जरूर करना चाहिए। कई बार जरूरी फाइलें भी इधर-उधर बिखरी हुई होती हैं और

उन पर धूल-मिट्टी होती है। इतना ही नहीं, लंबे समय तक फाइलों को ऐसे ही छोड़ देने से उन पर जाले लग जाते हैं। इससे भी नेगेटिविटी क्रिएट होती है और व्यक्ति का काम में बिल्कुल भी मन नहीं लगता है। इसलिए, फाइलों को अच्छी साफ करें और उन्हें सही तरह से अरेंज करके रखें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'जुमानजी' की तीसरे पार्ट की शूटिंग हुई खत्म 'द रॉक' ने शेयर की सेट की बीटीएस तस्वीरें

ड्वेन जॉनसन जिन्हें फैंस प्यार से 'द रॉक' भी बुलाते हैं। ड्वेन जॉनसन ने 'जुमानजी' की तीसरी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। जिसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। इसके साथ ही ड्वेन ने 'जुमानजी 3' के सेट की कई बीटीएस तस्वीरें भी शेयर की हैं। ड्वेन ने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'जुमानजी 3' की कई बीटीएस तस्वीरें की हैं। इसके साथ ही उन्होंने जानकारी देते हुए लिखा, 'मेरे पूरे करियर में यह सबसे मजेदार और क्रिएटिव अनुभवों में से एक था। जुमानजी की एडवेंचर शूटिंग अब खत्म हो गई है।' ड्वेन ने 'जुमानजी' की तीसरी फिल्म की पूरी कास्ट की तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'मैं बहुत खुशकिस्मत वाला हूं कि पिछले 10 साल से ज्यादा समय तक इस बेहतरीन कास्ट के साथ काम करने का मौका मिला। मैंने उनकी कॉमेडी और मेहनत को करीब से देखा।'

ड्वेन ने खास तौर पर डायरेक्टर जेक कसदान को धन्यवाद दिया और लिखा, 'आपके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात रही। हमने मिलकर जुमानजी की दुनिया में कई अनोखे किरदार बनाए।' उन्होंने रॉबिन विलियम्स को भी याद किया और लिखा, 'यह फिनाले आपके लिए है। डॉ. स्मोल्डर ब्रेवस्टोन का रोल निभाना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात थी। मैंने इसे प्यार, सम्मान और खुशी के साथ किया।'

'जुमानजी 3' फिल्म क्रिसमस के समय सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। पहली फिल्म 'जुमानजी वेलकम टू द जंगल' 2017 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने दुनिया भर में 960 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई की थी।

टॉलीवुड

नेटफ्लिक्स पर तमिल फिल्म 'यूथ' का जलवा, सबसे ज्यादा मिल रहे दर्शक

ओटीटी पर कई बेहतरीन फिल्में मौजूद हैं। हालांकि दर्शकों ने जिस फिल्म को सबसे ज्यादा प्यार दिया है, वह तमिल फिल्म है। इसने 'धुरंधर' और 'टोस्टर' जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ कर नंबर एक का स्थान हासिल किया है। इन दिनों कई लोग सिनेमाघर से ज्यादा ओटीटी पर फिल्में देखना पसंद करते हैं। आजकल ओटीटी पर कई फिल्में मौजूद हैं। इसमें 'धुरंधर' और 'टोस्टर' जैसी फिल्में शामिल हैं। दर्शकों ने इन फिल्मों को ज्यादा तवज्जो नहीं दी है। इस प्लेटफॉर्म पर जिस फिल्म को लोगों ने सबसे ज्यादा देखा है, वह एक तमिल फिल्म है। इसका बजट बहुत कम है।

इन दिनों नेटफ्लिक्स पर जिस फिल्म को सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है, वह तमिल फिल्म 'यूथ' है। यह एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा है। इसने 'धुरंधर' और 'टोस्टर' को पीछे छोड़ दिया है। 'यूथ' को तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषा में 16 अप्रैल को स्ट्रीम किया गया। तब से ही इस फिल्म का दर्शक आनंद ले रहे हैं।

'यूथ' के निर्देशक करूणास हैं। इसमें एक स्कूली लड़के की कहानी दिखाई गई है। वह अपने प्यार को पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म 6 करोड़ रुपये में बनी है। इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

'कांतारा' फेम अभिनेता ऋषभ शेट्टी ने 'यूथ' की तारीफ की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'बहुत समय बाद, मुझे पूरी फिल्म देखने के बाद मुस्कुराने का मौका मिला। 'यूथ' प्यार, दोस्ती और गहरी भावनाओं से भरपूर है और सभी माता-पिता को समर्पित एक कहानी है।' नेटफ्लिक्स पर कई बेहतरीन फिल्में हैं, लेकिन 'यूथ' नंबर एक पर है।

भोजपुरी

'आओ हुजूर'; लहरिया साड़ी...चमचमाते गहने मोनालिसा ने शेयर किया दिलकश लुक

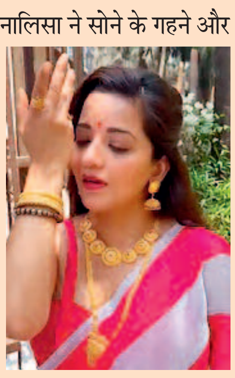

अक्षय तृतीया पर अभिनेत्री मोनालिसा ने सोने के गहने और खूबसूरत साड़ी पहने अपना लुक शेयर किया। भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर बोल्ड लुक साझा करती हैं। अक्षय तृतीया पर वे ट्रेडिशनल लुक में नजर आईं। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा किया है। एक्ट्रेस ने अपना वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे गुलाबी और सफेद रंग की लहरिया प्रिंट साड़ी में नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने सोने के पारंपरिक गहने पहने हैं। मोनालिसा आशा भोसले के गाने 'आओ हुजूर' पर डांस करती दिख रही हैं। उन्होने कैप्शन लिखा है, 'फीलिंग ब्लेस्ड'।

मोनालिसा का यह वीडियो किसी पार्क में शूट किया लग रहा है, जहां प्राकृतिक नजारे कैद हुए हैं। एक्ट्रेस के लुक पर नेटिजंस और फैंस तारीफ कर रहे हैं। लोग कमेंट सेक्शन में फायर और रेड हार्ट इमोजी बना रहे हैं।

मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिस्वास है। हालांकि, उन्हें अपने स्टेज नाम मोनालिसा से जाना जाता है। भोजपुरी इंडस्ट्री का वे चर्चित नाम हैं। उन्होंने सौ से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा उन्होंने हिंदी, बंगाली, ओडिया, तमिल, कन्नड़ और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। निजी जिंदगी की बात करें तो मोनालिसा की शादी एक्टर विक्रांत सिंह राजपूत से हुई है। सोशल मीडिया पर मोनालिसा की अच्छी फैन फॉलोइंग है।

2026 में युवाओं का रुझान

लाइफ स्टाइल

2000 के दशक की यादों, ₹क्वाइट लग्ज़री₹ और टेक्सचर वाली, एक्सप्रेसिव लेयरिंग के मेल पर आधारित है। मुख्य ट्रेंड्स में डार्क ₹स्पूकी ग्लैम,₹ यूटिलिटी कार्गो पैंट्स, और युवा प्रोफेशनल्स के लिए पॉलिश की हुई, आरामदायक फिट वाली टेलरिंग शामिल हैं। 2026 के ट्रेंड्स पर एक आर्टिकल के अनुसार, सस्टेनेबिलिटी हस्तनिर्मित, क्रिएटिव स्टाइल्स को बढ़ावा देती है, जिसमें बहुमुखी और एक्सप्रेसिव कपड़ों पर खास ध्यान दिया जाता है।

मैट लिपस्टिक लगाते वक्त ध्यान में रखें स्किन

हैवी मेकअप चाहे हम रोजाना न करें, लेकिन लिपस्टिक को लगभग हम सभी रोजाना होंठों पर लगाते ही हैं। आमतौर पर इसके कलर को चुनने के लिए हम स्किन टोन को ध्यान में रखते हैं। वहीं इनमें आपको कई तरह के टेक्सचर भी देखने को मिल जाएंगे। टेक्सचर के अलावा एक मिथ यह भी मन में आता है कि क्या लिपस्टिक आपके होंठों की ड्राईनेस को बढ़ाती है या यह केवल एक मिथ है? तो आइये जानते हैं इस कि मैट लिपस्टिक क्या सच में होंठों को ड्राई कर देती हैं-

कितने तरह की होती है लिपस्टिक?

लिपस्टिक के कई प्रकार होते हैं। इनमें सबसे ज्यादा लिक्विड और क्रेयॉन को इस्तेमाल किया जाता है। इन 2 टेक्सचर के अलग-अलग फायदे और नुकसान भी होते हैं। लिक्विड की बात करें तो इनमें ऑयल की मात्रा कम होती है और यह क्रेयॉन के मुकाबले ज्यादा देर तक होंठों पर टिकी हुई रहती है। वहीं क्रेयॉन लिपस्टिक में कई प्रकार आपको देखने को मिलेंगे, जिनमें साटन मैट और मैट शामिल है। साटन मैट लिपस्टिक में काफी हल्की सी शाइन होती है और मैट में शाइन बिल्कुल भी नहीं होती है।

किस तरह की लिपस्टिक कर सकती हैं होंठों को ड्राई?

होंठों की ड्राईनेस को बढ़ाने के लिए केवल लिपस्टिक नहीं, बल्कि लिपस्टिक को बनाते समय इस्तेमाल होने वाले केमिकल भी जिम्मेदार होते हैं। वहीं ज्यादातर मैट क्रेयॉन और और लिक्विड लिपस्टिक में ऑयल की मात्रा कम होती है, जिसके कारण होंठों पर कलर लम्बे समय तक टिका रहता है लेकिन यह होंठों की त्वचा को ड्राई करने का काम भी करता है। अगर आपके होंठ ड्राई हैं तो बिल्कुल मैट लिपस्टिक को लगाना अवॉयड ही करें।

मैट लिपस्टिक लगाने का सही तरीका क्या है?

होंठों को ड्राई होने से बचाने के लिए आप मैट लिपस्टिक को लगाने से पहले लिप ऑयल या लिपस्टिक के ऊपर लिप ग्लॉस का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह आपके होंठों को मॉइस्चराइज रखने में मदद करेगा। लिप ऑयल को आप स्किन केयर रूटीन में भी शामिल करें।

समर सीजन में अपनाएं ग्रे कलर आउटफिट्स, खूब जमेगा रंग

समर में अक्सर हम ढीले-ढाले और पतले कपड़े से बने आउटफिट्स को स्टाइल करना पसंद करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे हमें पसीना कम आता है साथ ही यह पहनने में भी कम्फर्टेबल रहते हैं। लेकिन इन्हें खरीदते समय जरूरी है कि आप आउटफिट के सही कलर को चूज करें, ताकि इन्हें पहनने के बाद आप कम्फ़र्टबल फील करें। ऐसे में आप ग्रे कलर के आउटफिट्स को वियर कर सकती हैं। इसमें आपको डिजाइन और शेड दोनों मिल जाएंगे।

टाई टी-शर्ट ड्रेस

अगर आप बाहर किसी पार्टी में या आउटटिंग के लिए जा रही हैं तो इसके लिए आप टाई टी-शर्ट ड्रेस को वियर कर सकती हैं। ग्रे कलर लाइट कलर के साथ-साथ कूल कलर भी होता है। इसलिए समर सीजन में सबसे ज्यादा पहना जाता है। आप इसके साथ चाहें तो ज्वेलरी और कुछ ट्रेंड एक्सेसरीज को एड कर सकती हैं, जिससे आउटफिट अच्छा लगे। मार्केट में इस तरह की ड्रेस आपको टी-शर्ट वाले कपड़े में भी मिल जाएगी। साथ ही आप चाहें तो इसे जॉर्जेट फैब्रिक में खरीद सकती हैं। इसके लिए आपको बाजार में 250 से 500 रुपये खर्च करने पड़ेंगे।

जंपसूट करें वियर

आप समर सीजन में जंपसूट को भी वियर कर सकती हैं। इसमे आपको प्लेन और प्रिंटेड जंपसूट के डिजाइन मिल जाएंगे। जिसे आप पार्टी या नॉर्मल डे में भी पहन सकती हैं। ग्रे कलर अच्छा लगता है। इसलिए आप चाहें तो इसके साथ लाइट ज्वेलरी को स्टाइल कर सकती हैं, जिससे आपका लुक अच्छा लगे।

टैनिंग हटाने के देसी नुस्खे, 7 दिन में दिख सकता है असर

टैनिंग हटाने के लिए नींबू, दही, बेसन, हल्दी और एलोवेरा जैसे प्राकृतिक तत्व बेहद प्रभावी होते हैं। इनका नियमित उपयोग स्किन को साफ, निखरी और टैन-फ्री बनाता है।

नींबू और शहद का मिश्रण

नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो टैनिंग को हल्का करने में मदद करती हैं। शहद स्किन को मॉश्चराइज करता है। दोनों को मिलाकर 10-15 मिनट तक लगाएं और फिर धो लें।

दही और बेसन फेस पैक

दही स्किन को ठंडक देता है और बेसन डेड स्किन हटाने में मदद करता है। इस पैक को हफ्ते में 2-3 बार इस्तेमाल करने से टैनिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है।

एलोवेरा जेल का उपयोग

एलोवेरा स्किन को शांत करता है और टैनिंग को कम करने में मदद करता है। रोज रात को सोने से पहले एलोवेरा जेल लगाने से स्किन

हेल्दी और ग्लोइंग बनती है।

खीरा और गुलाब जल

खीरा स्किन को ठंडक देता है और गुलाब जल स्किन टोन को संतुलित करता है। दोनों को मिलाकर लगाने से स्किन फ्रेश और टैन-फ्री दिखती है।

हल्दी और दूध का फेस पैक

हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं और दूध स्किन को पोषण देता है। यह पैक टैनिंग हटाने के साथ-साथ स्किन को चमकदार भी बनाता है।

नाईट क्रीम में घी का करें इस्तेमाल, स्किन से जुड़ी समस्याएं होंगी कम

स्किन की केयर करने के महिलाएं कई सारे उपाय करती है साथ ही कई तरह के प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं। इन चीजों का इस्तेमाल करने के बाद भी कई बार रिजल्ट आपकी इच्छा अनुसार नही आता है और स्किन से जुड़ी समस्या ज्यों की त्यों बनी रहती हैं। जहां दिन भर में स्किन की केयर करने के लिए महिलाएं कई सारे उपाय और प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं तो वहीं रात के समय स्किन की केयर करने में मामले में महिलाएं केयरलेस हो जाती हैं लेकिन स्किन की केयर रात में भी जरुरी हैं।

स्किन के लिए फायदेमंद है घी

घी में कई सारे गुण पाए जाते हैं और ये सभी गुण सहते के साथ-साथ बालों और स्किन के लिए फायदेमंद हैं। घी में एंटीमाइक्रोबियल गुण पाए जाते हैं और ये गुण स्किन से जुड़ी समस्या को कम करने में मदद करते हैं। वहीं घी में फैटी एसिड्स होते हैं जो स्किन के लिए फायदेमंद है साथ ही घी में पाए जाने वाले कई सारे और गुण स्किन से जुड़ी समस्या को कम करने में मदद करते हैं।इसे भी पढ़ें :घर पर ही इन तीन तरीकों से बनाएं एंटी-फ्रिज हेयर सीरम

नाईट क्रीम में करें घी का इस्तेमाल

रात के समय चेहरे पर घी लगाने से ड्राई स्किन से छुटकारा मिलता है और चेहरे के दाग धब्बे भी कम हो जाते हैं। वहीं रात के समय घी का इस्तेमाल करने से चेहरे की स्किन मुलायम और चमकदार भी होती हैं। वहीं स्किन को मॉइस्चराइज करने के लिए आप घी का इस्तेमाल किया जा सकता है साथ ही रात के समय घी लगाने से चेहरे की त्वचा ग्लो भी करेगी। रात के समय चेहरे पर स्किन लगाने से चेहरे पर रूखापन कम होता है साथ ही चेहरे से जुड़ी कई सारे समस्या भी कम होती है। घी का रात का समय इस्तेमाल करने से झुर्रियों से निजात पाया जा सकता है और आपकी त्वचा जवा नजर आएंगी।

कार्नर न्यूज

कुछ टिप्स अपनाकर आप खुद में ला सकते हैं निखार

इस मौसम में 'ड्रेस वेल' बनना है तो रंगों और पैटर्न का ध्यान रखते हो जाएं कूल-कूल, मिलेगी भरपूर तारीफ

अपने कपड़ों को लेकर हो सकता है कि आप चूजी कहलाते हों। हो सकता है कि आप महंगे कपड़े भी खूब खरीदते हों। इसके अलावा ये भी हो सकता है कि आप रंगों और पैटर्न का भी ध्यान रखते हों। लेकिन इतनी मेहनत के बाद क्या आपको ड्रेस वेल कभी भी बोला गया है? नहीं न। ऐसा इसलिए क्योंकि आपने ड्रेसिंग के बेहतरीन और जरूरी नियमों को इग्नोर कर दिया है।

'ड्रेस वेल' कैसे कहलाएं ऐसे बढ़िया ड्रेसिंग गैर डिजाइनर और सस्ते कपड़ों में भी की जा सकती है। लेकिन इसके लिए आपको कुछ टिप्स याद रखने होंगे-

फिटिंग कैसी है

कपड़े सस्ते से ही हों लेकिन उनकी फिटिंग सही हो तो मानिए कि ये आप पर अच्छे लगेंगे ही। इसलिए सूट जैसे कपड़ों में तो खासतौर पर फिटिंग का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। सूट में तो कंधों की फिटिंग जांचना जरूरी होता है।

घड़ियों में भी करें निवेश

घड़ी को हाथ के हिसाब से चुनें। ये

न ज्यादा बड़ी हो और ना ही छोटी। इसलिए आप घड़ी बस सुंदरता या फिर दूसरों के स्टाइल को कॉपी करके न लें। ये अगर सही से चुनी जाए तो स्टाइल स्टेटमेंट बन जाएगी।

रंग भी बनें स्टाइल

पुरुष आज भी कपड़े खरीदते हैं तो रंगों से दूर भागते हैं। उन्हें अपने लिए सफ़ेद, काले, भूरे और नीले जैसे रंग ही समझ आते हैं। लेकिन अब रंगों को पुरुषों की स्टाइल से भी जोड़ा जाता है, हो सकता है आप पर टिपिकल पुरुषों वाले रंग सूट ही न करते हों। जबकि हल्का गुलाबी, हल्के पीले जैसे रंग भी अपने स्टाइल में शामिल कीजिए और फिर देखिए आपका स्टाइल कैसे चमक उठता है। आप अपने कलर कॉम्प्लेशन के हिसाब से रंगों पर प्रयोग करें और फिर अपने लिए चुनें भी। आप ये भी कर सकते हैं कि शुरुआत में एक कपड़े में रंग का चुनाव करें और बाकि कपड़े वही पारम्परिक रंगों में चुनें। बाद में आप पूरी ड्रेस अलग तरह के रंगों में चुन सकते हैं।

सिर्फ खरीदारी से काम नहीं चलेगा

आपने महंगे-महंगे कपड़े खरीदें हैं और इनको खरीदने के लिए आप मेहनत भी खूब करते हैं। लेकिन इसके बावजूद इन कपड़ों को दूसरी बार पहनने में ही आपका लुक बिगड़ जाता है। दूसरी बार पहनने में ही सबको लगता है कि ये आपके पुराने कपड़े हैं। दरअसल सिर्फ कपड़े खरीद लेने से काम नहीं चलता है। बल्कि कपड़ों या फिर जूतों का ध्यान भी रखना होता है। जैसे सूट है तो उसे समय-समय पर ड्राई क्लीन कराते रहें। या फिर जूतों को नियम से साफ़ करना या पॉलिश करना न भूलें।